



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार मे प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ६] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी ११, १९७८ (माघ २२, १८९९)  
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 11, 1978 (MAGHA 22, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक ४ जनवरी १९७८

सं० ए० 12019/5/76-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयुध अनुसधान एवं विकास प्रतिष्ठान, रक्षा मन्त्रालय, पुणे-४११०२१ मे वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी—श्री एस० एस० प्रसाद को २८ दिसम्बर, १९७७ के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रबन्धक (डिलैक्ट्रानिक तथ्य संसाधन) के अस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक ६ जनवरी १९७८

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली मे प्रोग्रामर श्री बी० सी० जैन को ३१-१२-७७ के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय मे प्रोग्रामर के अस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्रा० ना० मुखर्जी,

अवर मन्त्रिव,

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक ३१ दिसम्बर १९७७

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक १-१२-७७ के संशोधन मे, संघ लोक सेवा आयोग मे केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा १२-११-७७ से ९-१२-७७ (पूर्वाह्न) तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशो तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक १-१२-७७ के संशोधन मे, संघ लोक सेवा आयोग मे केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा २०-११-७७ से २९-१२-७७ तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशो तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (3)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० III दिनांक १-१०-१९७७ के अनुक्रम मे, संघ लोक सेवा आयोग

में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-78 से 31-1-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(4)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० III दिनांक 1-10-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-78 से 6-1-78 (पूर्वाह्न) तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(5)—इस कार्यालय की समसंब्यक्त अधिसूचना दिनांक 18-10-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 3-12-77 से 31-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(6)—इस कार्यालय की समसंब्यक्त अधिसूचना दिनांक 2-11-77 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 7-12-77 से 24-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### केन्द्रीय सतकंता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० 97 आर० सी० टी० 32—केन्द्रीय सतकंता आयुक्त एतद्वारा श्री नी० सी० खुराना, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक निदेशक (उद्यान-कृषि), को केन्द्रीय सतकंता आयोग में 13 जनवरी, 1978 (प्रपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी परीक्षक (उद्यान-कृषि) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जनवरी, 1978

सं० 87 आर० सी० टी० 28—केन्द्रीय सतकंता आयुक्त एतद्वारा श्री एच० एम० राठौर, स्थायी सहायक, केन्द्रीय सतकंता आयोग को 18 जनवरी, 1978 से 28 फरवरी, 1978, या अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से आयोग में अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीनिवास,  
अवर सचिव,  
कूते केन्द्रीय सतकंता आयुक्त

#### गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० ए०-19014/1/77-प्रशा० 5—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रेणी-I के स्थानापन्न अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रशासनिक अधिकारी श्री आर० पी० गुप्ता ने दिनांक 26-12-77 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

ए० के० बृह०  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

#### महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ओ० दो० 1202/75-स्थापना—श्री अजीत कुमार धोष ने उनके उड़ीसा स्टेट में प्र-योवासन होने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधीक्षक, 9वीं वाहिनी, के० रि० पु० दल पद का कार्यभार 31-12-1977 (प्रपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ओ०-दो०-1078/77-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर भोसा शंकर मिश्रा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड II डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर के पद पर उनको 30 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

#### महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० ई० 38013(3)7/15/77-कार्मिक—बम्बई से स्थानांतरित होने पर श्री पी० ए० पश्चात्कर ने श्री [एस० के० अरोड़ा के स्थान पर 30 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से

के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, एच० श्रौ० सी० लिमिटेड, रसायनी जिला कोलाबा के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया और डॉडा को स्थानांतरित होने पर, श्री एस० के० अरोड़ा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ३०-३८०१३ (३) १५/७७-कार्मिक—कोलाबा से स्थानांतरित होने पर श्री एस० के० अरोड़ा ने 9 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० बा० यूनिट आई० ओ० सी० गुजरात रिफाइनरी वडोदा के सहायक कामांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० विष्ट,  
महानिरीक्षक, के० श्रौ० सु० ब०

**भारतीय लेखा-परीक्षा तथा लेखा विभाग**  
कार्यालय भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक  
नई दिल्ली दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० २९-५-८-सी० ए० १/७१—श्री पी० एस० राव लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के स्वेच्छा सेवा निवृति स्कीम की नियमानुसार स्वेच्छया २९-१२-७७ (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

सुशील देव महाचार्य,  
स० निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश  
गवालियर, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं० प्रशासन १/४४७—महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्थ क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रूपये ८४०-४०-१००० रु० श्र० ४०-१२०० में, उनके नाम के आगे बतलाये दिनांक से पदोन्नत किया है।

१. श्री एम० एस० आत्मनाथन (०२/०२२५)	१-११-७७
२. श्री ए० जी० परान्जपे (०२/०२२६)	१४-११-७७
३. श्री जी० पी० जैन (०२/०२२९)	३१-१०-७७
४. श्री एस० एस० मिश्रा (०२/०२३०)	३१-१०-७७
५. श्री डॉ० आर० विधे (०२/०२३१)	३१-१०-७७

कृष्ण गोपाल,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-२२, दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० १८३३८/प्रशा०-II—५८ वर्ष की आयु प्राप्तकर क्षेत्रे पर श्री एम० बेंकट रामराया, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक

को पेंगन स्थापना को अंतरित कर दिया जायेगा और उन्हें दिनांक 30-९-७८ (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

बी० एस० भीर,  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

श्रम मंत्रालय  
(श्रम व्यूरो)

शिमला-१७१००४, दिनांक 8 फरवरी 1978

न० २३/३/७७-सी० पी० आई० दिसम्बर, ७७ में ओद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार १९६०-१०० नवम्बर, १९७७ के स्तर ३३० (तीन सौ तीस) पर स्थिर रहा। दिसम्बर, १९७७ माह का सूचकांक १९४९ आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर ४०१ (चार सौ एक) आता है।

विभूतन सिह,  
उप-निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1978

आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० ६/४८१/५७-प्रशा०सन (राज०)/८२९—राष्ट्रपति, श्री एच० एल० बहल, इस संगठन के स्थायी नियंत्रक, आयात-नियंत्रित (वर्ग-२) को १६ जुलाई, १९७७ के दोपहर पूर्व से अगला आदेश जारी होने तक, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियंत्रित के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्थ उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० ६/१००/५५-प्रशा० (राज०)/९७९—राष्ट्रपति, श्री के० जयरमण, उप मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई म १९ नवम्बर १९७७ के दोपहर बाद से, ३ मास की अवधि के लिए, बम्बई में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० बे० शेषाद्रि,  
मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित

उद्योग मंत्रालय

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० ए० १९०१८/३०८/७७-प्रशा०सन (राजपत्रि)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री गोवर्धन दास गिडवानी को राष्ट्रपति जी दिनांक 8 दिसम्बर १९७७ (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-१) (बिजली) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (ग्रेड-१) (बिजली) के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री गोवर्धन दास गिडवानी ने दिसम्बर

1977 (पूर्वाह्नि) से उत्पादन केन्द्र थिरुवल्ला, मेरे अपने पद का कार्यभार संभाला।

वी० वेकटरायल,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मन्त्रालय

(इस्पात विभाग)

लोह और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० ऐड० मि० पी० एफ० (415)/53 (.)—निवर्तन की आयु प्राप्त कर श्री सन्तोष कुमार बोध, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 दिसम्बर 1977 के अपराह्न से सेवा मुक्त हो रहे हैं।

सं० ई० 15 (6)/77 (.)—शार्दूल की आयु प्राप्त कर श्री एप०-एप० बोस राय, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न काल से सेवा निवृत्त हो रहे हैं।

ए० सी० चट्टोपाध्याय,  
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक,  
हृते लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय खान व्यूरो

सं० ए०-19011 (66)/70 स्था० ए०—श्री ज्ञ० ए० के० सिंहा, उप खनिज ग्रंथशास्त्री को दिनांक 19 दिसम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1300-50-1700 के बेतन पर खनिज ग्रंथशास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ए० 19011 (68)/75-स्था० ए०—श्री ए०-ए० राय, उप खनिज ग्रंथशास्त्री को दिनांक 19 दिसम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1300-50-1700 के बेतन पर खनिज ग्रंथशास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए०-19011 (90)/75-स्था० ए०—भारतीय खान व्यूरो के स्थायी सहायक ग्रंथस्त्रक प्रसाधन अधिकारी डा० ए० के० रे की दिनांक 13 दिसम्बर के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर वर्ग अ के पद पर भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्न उप ग्रंथस्त्रक प्रसाधन अधिकारी के रूप में पदोन्नति की गई है।

ए० सी० रणधीर,  
कार्यालय अध्यक्ष,  
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० 4-142/77/स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री डी० वी० शास्त्री को 7 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक इस सर्वेक्षण के दक्षिण भारतीय क्षेत्र मैसूर में सहायक मानवविज्ञानी (शारीरिक) के पद पर अस्थायी आधार पर सहाय्य नियुक्त करते हैं।

सी० टी० धोमस,  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० स्था०/5333/594-प्रबन्धक—श्री स्वपन चक्रवर्ती को प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र (सं० प्र० ए० मा० उ० के०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग हैदराबाद में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र प्रतिक्रिया (सा० के० से० सुप बी०) के पद पर 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के संशोधित बेतनमान में 2 जनवरी 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० गो० 5334/718 ए—श्री गणेश लाल, स्थानापन्न ग्रंथीकार, महासर्वेक्षक कार्यालय को दक्षिणी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, वैंगलूर में स्थानापन्न एवं लेखा अधिकारी (सा० के० सेवा सुप बी०) के पद पर श्री करुणामय मुखर्जी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो कि 31 दिसम्बर 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो चुके हैं के स्थान पर 840/- रु० प्रतिमाह पर 840-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में तदर्थ आधार पर दिनांक 2 जनवरी 1978 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० ए० खोसला,  
मेजर जनरल,  
भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० 4 (19)/76-स्टाफ-1—त्याग-पत्र स्वीकृत हो जाने के परिणामस्वरूप, श्री रुप कृष्ण भट ने, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) को रेडियो कम्पनी, श्रीनगर के कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० 4(81)/77-एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कु० कार्तिदा प्रामोदरे बोरा को आकाशवाणी, भुज में 1-11-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृत महानिदेशक

मे 19 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड 2 (रसायन विज्ञान) के पद पर पूर्णतया अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1978

सं० 10/84/77-एस०-३—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री देवेन्द्र नाथ विपाठी को आकाशवाणी कलकत्ता मे दिनांक 8-12-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बोस  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृत महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० 12026/4/77-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक एतद्वारा कन्ट्रोलर आफ डिफेन्स एकाउन्ट्स नदर्न कमांड, जम्मू कंट के कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी श्री अमरनाथ गुप्ता को 19-12-77 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, इस निदेशालय में स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर, उप निदेशक (प्र०)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/22/76 (एच० एम० डी०) प्रशासन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची के लेखा अधिकारी श्री बी० बी० नाग को 24 दिसम्बर 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पश्चिमी बगाल सिविल सेवा में अपना प्रत्यावर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्री नानी गोपाल चक्रवर्ती ने 23 दिसम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान रांची में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/5/77-ओषधि—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० तलवार को केन्द्रीय भारतीय भेषज संहिता प्रयोगशाला

भारतीय डाकतार विभाग

मद्रास-600001, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ए० एस० टी०/डी० ई० ५/XVII/२८—श्री जी० सुब्रह्मण्यन, जो स्थानीय प्रबंध के रूप मे मद्रास टेलीफोन जिले में, स्थानापन्न मण्डल इंजीनियर के पद पर काम कर रहे हैं, 26-९-७७ पू० से अपने पूर्व पद पर परावर्तित किए जाते हैं।

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० ए० एस० टी०/ए० ई० ५/१६—महाप्रबन्धक, मद्रास टेलीफोन जिला, निम्नलिखित कनिष्ठ इंजीनियरों को उनके नाम के आगे उल्लिखित अवधि के लिए, स्थानीय प्रबंध के रूप मे, मद्रास टेलीफोन्स जिला में, स्थानापन्न सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

क्र०	नाम	पदोन्नति की तारीख (टी० ई० एस० ग्रेड B)	पूर्व पद परावर्तन की तारीख
सं०			

सर्वश्री

1. बी० ए० नागराजन	15-10-77	3-12-77 अपराह्न
2. आर० संपत	14-11-77	—
3. बी० ए० रामस्वामी	29-11-77	—
4. बी० ए० नागराजन	6-12-77	—

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ए० एस० टी०/ए० ई०-५/१७—निम्नलिखित सहायक इंजीनियर, जो स्थानीय प्रबंध के रूप मे मद्रास टेलीफोन जिले में, स्थानापन्न मण्डल इंजीनियर के पद पर

काम कर रहे हैं, अपने नाम के आगे उल्लिखित तारीख से अपने पूर्व पद पर परावर्तित किये जाते हैं।

क्र०	नाम	पूर्व पद पर परावर्तन की तारीख
सं०		
1.	श्री बी० सुद्धमण्ड	1-10-77 श्र०
2.	श्री श्रीय बानुमूर्त	6-10-77 श्र०
3.	श्री आर० संपत	1-11-77 श्र०
4.	श्री बी० एस० रामस्यामी	3-11-77 श्र०

ह० अपठनीय  
सहायक महा प्रबन्धक (प्रशासन)

### परमाणु ऊर्जा विभाग

#### क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० क्रमनि/23/2/77-संस्थापन 2757—निदेशक क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए० आर० टोडवालकर सहायक भंडार अधिकारी के अवकाश स्वीकृत होने पर इस निदेशालय के श्री आर० एम० मोडकर, अस्थाई भंडारी को अस्थायी रूप से कार्यकारी सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के बेतन क्रम में इसी निदेशालय में दिनांक 12-12-77 से 13-1-78 तक नियुक्त करते हैं।

18 जनवरी 1978

सं० क्रमनि/2/1(23)/77-संस्थापन 3145—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 नवम्बर 1977 के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के श्री नेलवायी हरिहर एथर क्लृष्णन लेखाकार को इसी निदेशालय में कार्यकारी सहायक लेखा अधिकारी के रूप में आगे भी तदर्थ रूप से आगामी 28 फरवरी तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी  
कृते प्रशासनिक अधिकारी

### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

#### भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० ई० (I) 00951—वेधणालाओं के महानिदेशक डा० एस० एस० भण्डारी को 29 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, भारतीय मौसम सेवा, ग्रप बी (केन्द्रीय

मिथिल सेवा, ग्रप बो०) में अस्थायी तौर पर सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

डा० भण्डारी को निदेशक, प्रा० मौ० केन्द्र, कलकत्ता के अन्तर्गत मौसम केन्द्र, गोहाटी में तैनात किया जाता है।

गुरुमुखराम गुप्ता  
मौसम विज्ञानी

कृते वेधणालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० ए०-12025/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री अजय कुमार लूथरा को 26-12-77 (पूर्वाह्न) से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हे निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 20 जनवरी 1977

सं० ए० 12025/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री मानबेन्द्र राय को 9-12-77 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम में तैनात किया है।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—श्री पी० आई० डेविड, सहायक सचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 39012/3/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, नई दिल्ली के श्री जीत सिंह छावड़ा, तकनीकी अधिकारी का त्यागपत्र 9-12-1977 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/5/77-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र अधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से और अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है:—

क्र०	नाम	तारीख	स्टेशन
सं०			
1	2	3	4
1.	श्री एस० एम० दास	12-1-78	मद्रास एयरपोर्ट मद्रास

1	2	3	4
2.	श्री एस० एस० मवरवाल	26-12-77	कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम (क्षेत्रीय निवेशक के कार्यालय में वरिष्ठ विमान सुरक्षा अधिकारी के पद पर तैनात किए गए)
3.	श्री जगन नाथ	9-12-77	उधमपुर
4.	श्री जी० एस० बुडल	5-11-77	बंबई, एयरपोर्ट, बंबई
			बी० बी० जौहरी महायक निवेशक प्रशासन

## विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० 1/443/78-स्था०—श्री एस० बी० गोवडे को 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचिंग समूह, बम्बई में प्रस्थायी तौर पर महायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० 1/443/78-स्था०—श्री बी० रामाराव को 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचिंग समूह, बम्बई में प्रस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले  
महानिवेशक

बम्बई, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० 1/425/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० बसु को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 2-5-77 से 8-8-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/311/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० एस० पायम को अल्प काल के लिए खाली जगह पर 31-10-77 से 2-12-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एस० एस० कृष्णस्वामी  
प्रशासन अधिकारी  
कुते महानिवेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क  
नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० 4/78—श्री भगवान सिंह, कार्यालय अधीक्षक की, नयी दिल्ली स्थित निरीक्षण और लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में श्री हरि देव शर्मा के सेवा निवृत्त होने के कारण रिक्त हुए पद पर, दिनांक 17 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न नियुक्त की जाती है।

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० 3/78—स्थायी कार्यालय अधीक्षक श्री एस० एन० वर्मा, को जो महायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में निरीक्षण निवेशालय (सी० शु० तथा क० उ० शु०) नई दिल्ली में कार्य कर रहे थे, 31-12-77 (अपराह्न) से तथा आगला आदेश जारी होने तक इसी निवेशालय में श्री हरि देव शर्मा के सेवा निवृत्त होने से रिक्त हुए स्थान पर, स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

सु० वेंकटरामन्  
निरीक्षण निवेशक

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० 19012/18/77-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० के० गोस्वामी, अनुसंधान सहायक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया प्रस्थायी आधार पर तदर्थ रूप में 31/10/1977 (पूर्वाह्न) से फरवरी, 1978 के अंत तक या जब तक पद की नियमित रूप से भरा जाता है, जो भी पहले हो गोहाटी गेजिंग प्रभाग, गोहाटी, केन्द्रीय जल आयोग में महायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

(2) श्री बी० के० गोस्वामी ने गोहाटी गेजिंग प्रभाग, गोहाटी में 31/10/1977 (पूर्वाह्न) से सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) का पद भार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० क -32014/1/77-प्रशासन पांच—विभागीय पदो-ज्ञति समिति (श्रेणी-ख) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद् द्वारा इन पर्यवेक्षकों को जो कि इस समय प्रतिरिक्षित सहायक निवेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में तदर्थ रूप से कार्यरत हैं, इन्हे स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप से उसी श्रेणी में प्रत्येक के आगे दी गई तिथि से नियुक्त करते हैं:—

(1) श्री डी० प्रभाकर 30-7-1977 (अपराह्न) से

(2) श्री सी० हरि दास 3-6-1977 (पूर्वाह्न) से

(2) उपर्युक्त अधिकारी उनके नाम के प्रागे दी गई निधि से दो वर्ष तक परिवेश काल में होंगे।

जितेन्द्र कुमार साहा  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशक कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० 33/1/77-ई० सी० 9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित प्रत्याशियों को के० लो० नि० वि० में सहायक वास्तुकों (सामान्य केन्द्रीय मिशन सेवाएं—ग्रुप 'ख' के अस्थायी पदों पर ₹ 650-30-740-35-810 -द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के बेतनमान में प्रत्येक के सामने दिए गए बेतन पर और प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीख से सामान्य शर्तों के अधीन नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों को उनके नामों के प्रागे दी गई तारीखों से दो वर्ष की परिवेश अवधि पर रखा गया है।

क्र० सं०	नाम	बेतन	पद जिस पर समायोजन किया गया	विशेष
1.	कुमारी आशा हरवालकर	बेतन दो वर्ष की परिवेश अवधि संतोष-जनक ढंग से पूरी करने के बाद नियमानुसार नियत किया जाएगा। फिलहाल वह ₹ 650/- प्रति मास की दर से बेतन लेंगी।	वरिष्ठ वास्तुक (एच० एण्ड टी० पी०)-2 एकक, केन्द्रीय कार्यालय, के० लो० नि० वि० नई दिल्ली में विद्यमान रिक्तियों में से एक पर।	अनुभाग अधिकारी रोकड़ी अनुभाग दिनांक 30-12-77 (पूर्वाह्न) से उनका बेतन निकालें
2.	श्री ओ० पी० भारद्वाज	—यथोपरि—	वरिष्ठ वास्तुक (उत्तरी अंचल) -9, के० लो० नि० वि०, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में विद्यमान एक रिक्ति पर।	मुख्य इंजीनियर (उत्तरी अंचल) के० लो० नि० वि० दिनांक 8-1-78 (पूर्वाह्न) से उनका बेतन निकालें। डी० पी० ओहरी प्रशासन उप-निदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और “पी० टी० टी० चिट फण्ड अन्ड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड” के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० 71/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गोवा मिनरलस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० वि० वि० मत्यनारायण  
कम्पनीयों का रजिस्ट्रार, पांडिचेरी

“कम्पनी अधिनियम 1956 और गोवा मिनरलस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में”

पणजी, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० 87/जी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गोवा मिनरलस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

द० रा० धरोहे  
कम्पनी का रजिस्ट्रार  
गोवा, दमण और दीव

“कम्पनी अधिनियम 1956 और मनीप्लांट फाइलेंस एन्ड चिट फँड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में”

चण्डीगढ़, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3189/11168—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना तो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधार पर मनीप्लांट फाइलेंस एन्ड चिट फँड प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिवित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश ताथल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
हि० प्र० व चन्द्रीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पान्डयन कोरपोरेशन लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1978

स० 2099/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पान्डयन कोरपोरेशन

लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषयित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
तमिलनाडु

संगठन और प्रबन्ध सेवा निवेशालय  
(आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 37/5/76-ए० जी०/डी० औ० एम० एस०/हि० 1483—गृह मन्त्रालय, रजिस्ट्रार जनरल, इण्डिया के कार्यालय में काम कर रहे निम्न सहायक निवेशक (प्रोग्राम) ने उनकी प्रतिनियुक्ति के अध्यन पर, संगठन और प्रबन्ध सेवा निवेशालय (आयकर) नई दिल्ली में 1-12-1978 (पूर्वाह्न) से सिस्टम अधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया है:—

- (1) श्री वी० वी० राव
- (2) श्री एम० पी० राव
- (3) श्री आर० पी० गुप्ता

जगदीश चन्द्र  
निवेशक

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसंबर 1977

निवेश नं० ८९४ ए०/ अर्जन/ मेरठ/ ७७-७८/५९०१:—  
अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
10-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के भीष ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
प्रौढ़/या

(ख) ऐसी किसी प्राय की धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 21) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः घन, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याति :—

(1) श्री राजोव शर्मा पुत्र राजेन्द्र प्रकाश शर्मा निवास  
छोपी तालाब, मेरठ

(अन्तरक)

(2) श्री तोलाराम पुत्र निर्मल सिंह निवासी पटेल नगर  
मेरठ एवं सरदार निर्मल सिंह पुत्र तेजाराम  
गुनियाना जिला भिट्ठा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति लाट नं० ३४, ३५५ वर्गगज स्थित छोटा  
वेगम बाग जिला मेरठ 42,600/- के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
भारतीय ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 16-12-1977

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निवेश नं० 848 ए०/ अर्जन/ रड़की/ 77-78 / 5903—  
अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो म स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रड़की में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री जिम्मू पुत्र धूमि निवासी अन्कोहेतमपुर डा०  
ग्रौंरंगाबाद परगना व तहसील रड़की जिला-सहारनपुर  
(अन्तरक)

(2) श्री भजन सिंह एवं अजीत सिंह एवं तीरथ सिंह पुत्रगण  
मस्तान सिंह निवासी रथपुर तहसील कालका जिला  
अम्बाला वर्तमान पता जगजीतपुर परगना जवालापुर  
तहसील रड़की जिला-सहारनपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण** ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ नीता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

अबल सम्पत्ति कूपिभूमि 28 बीघा स्थित ग्राम सलेमपुर  
रड़की जिला सहारनपुर 38,000/- के विक्रय मूल्य में  
बेची गयी।

ग्रार० पी० भार्गव  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-12-1977

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, विनाक 23 दिसम्बर 1977

निकेश न० 752 ए०/प्रर्जन/ सहारनपुर/ 77-78/ 6372.—  
अतः, मुझे आर० पी० भागेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णि० है रजिस्ट्रेशन अधिकारी के काय लय सहारनपुर में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरव (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप म रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उसमें बचने में युचिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-ब की उपकारा (1) के अधीन निम्ननिवित आविर्गां, उद्दीप्तः:-

(1) श्री सतीश चन्द्र पाठक पुत्र श्याम सिंह पाठक प्रोफेसर जैन डिग्री कालेज सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमते शशेश्वाला पत्नी डॉक्टर सुन्दर लाल अग्रवाल निवासी मिशन कम्पाउण्ड सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी ये पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगता, जो उक्त अध्याय ८ दिया गया है।

अनुसूची

प्रबल सम्पत्ति दो मजिला मरान स्थित मिशन कम्पाउण्ड जिला सहारनपुर 70,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

प्रार० पी० भागेव  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकृत निरीक्षण  
प्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 23-12-1977

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269 घ (1) के अनुसार सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बानपुर

कानपुर दिनांक 4 जनवरी 1978

निदेश नं 863 ए०/अर्जन/सहाय्या/ 77-78 6809--  
अतः मुझे आर० पी० भार्गव-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' दहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और नियमों से है तथा जो से स्थित है (प्राग् इसमें उपानिषद् अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अनुचित तारीख 17-5-66 को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरगत (अन्तरको) भी अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तरा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(र) अन्तरण से दूर किसी आय का भवत, उक्त अधिनियम, उक्त अधीन 1-र देने के अन्तरक के दायित्व में रमी करन या उसमें वचन में सुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम री धारा 269-घ का अनुसरण में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपष्ठाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री सतीश चन्द्र पुत्र मूल अन्व राधेश्याम स्व फकीर चन्द्र निवासी गण नखासा सहारनपुर एवं श्रीमती प्रेम इवी पत्नी मदन लाल निवासी मीरगज, सहारनपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल सैनी पुत्र महावीर प्रसाद निवासी 13/706, कबाडी, बाजार सहारनपुर।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पादन के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसाक्षरी के पास सिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 की में यथा परिभ्राष्ट हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

तिमजिता महान नं 13/706 कबाडी बाजार जिला महारनपुर 61 000/- के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

ग्राम पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 4-1-1978

मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1978

निवेश सं 941 ए०/ अर्जन/ मसूरी/ 7778/ 6810:—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं—है तथा जो—मे स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रोकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मसूरी में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1)  
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

(1) श्री दीना नाथ पुत्र लक्ष्मण दास, राम प्रकाश पुत्र  
ज्ञानचन्द, तिलक राज पुत्र ज्ञान चन्द, विजय कुमार  
एवं प्रनिल कुमार पुत्ररण बालकीशन श्रीराम पुत्र  
सीताराम द्वारा मैरसें ज्ञान चन्द दीना नाथ नया  
बाजार विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामबीरी देवी पत्नी सुरेन सिंह, मसिक  
निवासी इन व्यू कॉटेज, नार्थ साइड पंचो कांची  
कुटीर, मसूरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताधारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सपत्नि इन न्यू कॉटेज नार्थ साइड मसूरी का आधा भाग  
35000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 4-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी 1978

निदेश सं० अर्जन/ 782/ फिरोजाबाद/ 77-78/ 6806—  
ग्रतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०— है तथा जो— मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्ति:—

(1) श्रीमती त्रिवेणी देवी स्त्री गंगासरन पुत्री ज्वासा प्रसाद अग्रवाल घर आसगरान फिरोजाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी स्त्री मोहन लाल निवासी छोड़े जी का बाग फिरोजाबाद

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजन्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अजन्तन के संबंध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-प्रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जो कि सुखमलपुर, निजामाबाद छोब जी का बाग फिरोजाबाद (आगरा) मे स्थित है 60000 रु० के विक्रय मूल्य मे बेचा गया।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 4-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1978

निवेशनं० 1482ए०/अर्जन/बुलन्दशहर/ 7778/7110—

अतः, मुझे आर० पी० भाग्यवं

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 व (1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स०— है तथा जो— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरोध विधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की वाता उक्त ग्राम्यकर अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरकों दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में मुविष्ठा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य वातियों को, जिहें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में गविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जातः :—

(1) श्री राम कुमार पुत्र ईश्वरी प्रसाद गिरवर किशन पुत्र मुरारी लाल, श्रीमती मधु गर्ग पत्नी कान्ती प्रसाद निवासी दनकौर जिला बुलन्दशहर  
श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी आनन्द प्रकाश एवं श्रीमती प्रकाशवती पत्नी महेन्द्र प्रकाश निवासी कस्बा सिक्किम द्वावाद जिला बुलन्दशहर

(अन्तरक)

(2) राम किशन शर्मा पुत्र चौखे लाल राकेश कुमार राजेश कुमार सुकेश कुमार एवं दिनेश कुमार पुत्रगण राम किशन द्वारा विश्वास सिनेमा, बुलन्दशहर  
(अन्तरिती)

को पह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के संबंध में कोई भी भ्रष्टो

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृहना को तामोल में 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने मे किसी गविधा द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्तान्तरी ने पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में दिया गया परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसार:

यहसु सम्पत्ति भिसन सिनेमा का 50% हिस्सा इमारत एवं इसका व्यापार स्थित शिकारपुर जिला बुलन्दशहर जिला 2,00,000 रु० के विक्रय मूल्य में बच्ची गयी।

आर० पी० भाग्यवं  
सक्षम अधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 8-1-1978

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1978

निदेश सं० 750ए० / अर्जन/ कानपुर/ 7778/ 7111:—

अतः, मझ आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
19-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

3—456 GI 77

(1) श्रीमती नेनी बाई पत्नी होतचन्द 122/548/ सिन्धी  
कालोनी, शास्त्री नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल पुत्र अधोराम 107/170 ए० जवाहर  
नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं इमारत नं० 122/547 हरिहर  
नाथ शास्त्री नगर, कानपुर 48000/-के विक्रय मूल्य में बेची  
गयी।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जनवरी 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/ 9963/ 77-78/ ए० सी०  
स्प०/ बी० :—यतः, मुझे जो० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो० 17th 'A' कास, 10th 'A' मैन  
मल्लेश्वरम् बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 12/5/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्ठा :—

(1) श्री पिंग आर० आरमदु सुपुत्र स्वर्गीय आर० राजगो-  
पालन सुपरिउट इंजीनियर (एम० पी०), नं० 5,  
17th 'A' कास 10th 'A' मैन रोड मल्लेश्वरम, बंगलूर  
(अन्तरक)

(2) श्री डी० जी० एन० रामचन्द्रन सुपुत्र स्वर्गीय जी०  
आर० नारायणगंग नं० 5 17th 'A' कास 10th 'A' मैन  
मल्लेश्वरम, बंगलूर  
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

[ दस्तावेज सं० 559/77-78 ता० 12/5/77 ]  
सारा संपत्ति का नं० 5, 17th ए०, कास रोड, 10th ए०  
मैन रोड मल्लेश्वरम बंगलूर ।

बांध

पू० : 10th 'ए' मैन  
प० : पुराना रेठ नं० 22  
उ० : नं० 5/1, 17th 'ए' कास  
द० : नं० 32

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अन्तरिती रेंज, बंगलूर

तारीख : 18-1-78

मोहर :]

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर  
बंगलूर, दिनांक 13 जनवरी, 1978

निर्देश सं० सी० आर०-62/10310/77-78/ए० सी०-  
क्य० (बी०) :—यतः मुझे जै० एस० राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', यहा॒ गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 280/22 ई, तथा जो 5 मैन रोड़, 11  
क्रास विलसन गार्डन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 30-5-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जिं आर० लक्ष्मण रेडी
2. के० एम० कमलम्मा पत्नी जिं आर० लक्ष्मणरेडी
3. जी० एल० शोभा
4. जी० एल० चन्द्रशेखर रेडी रेप्रेसेंटेड बै०
5. जी० एल० राजशेकर रेडी जिं आर० लक्ष्मणरेडी  
(अन्तरक)
2. मैसर्स थानवीर एण्ड कंपनी एम० बी० एस० बिल्डिंग  
एम०जी० रोड मुलुबागिल, कोलार डि०  
(अन्तरिती)
3. अनंथया बट  
(1) मैसर्स होटेल जनता (2) मैसर्स शोभा स्टोरस  
(2) श्री मणीलाल (4) मैसर्स एस्कारटस (5)  
प्रमीला स्टोरस (6) मैसर्स लिडो हैडनिक ब्रेसिंग  
(7) मैसर्स मैको असोसिएशन (8) मैसर्स उमा  
फोटो स्टूडियो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—  
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपर्योगिता :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

[दस्तावेज सं० 555/77-78 ता० 30/5/77]

न० 282, और 280/22 (नवा), 5 मैन रोड, 11 क्रास,  
विलसन गार्डन, बंगलूर-2 )।

बांध :

पू० : 11 क्रास  
प० : सैट 281  
उ० : 5 मैन रोड  
द० : न० 283

जै० एस० राव  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 574:—यत् मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 44-1-8 है, जो चाराला में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, चीराला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री के० वेंकट सिवरामस्या, चीराला

(अन्तरक)

(2) श्री टी० सूर्यनारायण टी० बालयोगिन्द्र रवि कुमार  
चीराला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्वष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चीराला रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-5-77 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 975/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 12 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के मध्येत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० 573 :—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 12-5-27 है, जो बापटला में स्थित है  
( और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ),  
रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बापटला में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
9-5-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये क्या पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा  
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिसमें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किप्रा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सिं० एच० सुब्रह्मन्यम (2) सिं० एच० श्रीराम  
चन्द्र प्रसाद (3) सिं० एच० राधा (4) सिं० एच०  
निर्मला (5) एम० सीताराजगोपाला सिकन्दराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री वै० पिव्याय्या बापटला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 593/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, काकिनाडा,

तारीख : 12-1-78

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती मीराबाई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(अन्तरक)

की धारा 269ए(1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री के० पी० रवीन्द्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ए रणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 3 जनवरी 1978

निवेश सं० एल० सी० 150/77-78:—यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सभ्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कललिकुलू अद्वाम देशम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोणिकोड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

9 1/8 Cents of land with buildings in R. Sy. No. 5-17-758 and 5-17-759 part in Kalathi Kunnu amsom in Kozhikode District.

सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 3-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 5 जनवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 162/77-78:—यतः मुझे सी०  
फी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
में अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो नोरत वयनाण  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माननोट में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 20-5-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रकार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती श्रार० एल० रमिटृ

(अन्तरक)

(2) श्री आर० पी० टेविल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा या ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

326 acres 46 cents (132.17 Hectares) of land in Thirunelli  
Amsom, Desom and village in North Wynad Taluk known as  
"Bargiri Estate" at Tholpetti with all improvements therein.

सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5-1-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

कोचीन, दिनांक 10 जनवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 163/77-78 :—यतः, मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन, ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी तं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट कोर्टरेगत में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोणिकोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

(1) श्री चन्द्रु वीट्रिल अब्दुल्ला

(अन्तरक)

(2) 1. श्री के० पी० चन्द्रदासन (2) श्रीमती लक्ष्मिकूटी

(3) श्रीमती देवी (4) श्री डी० वी० गनगधरण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

19 cents of land with buildings known as "Janatha Hostel" in Sy. No. 63/1A & 1B (R. Sy. No. 133) in Kariakunnu desom in Calicut Corporation.

सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

तारीख : 10-1-1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस० —————

(1) श्री वरगीस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० ए० कुरियन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 10 जनवरी 1978

तिकेश सं० एल० सी० 165/77-78 :—यतः मृत्ते सी०

पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है, जो त्रिचूर मे स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय त्रिचूर मे भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18-5-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
मे सुविधा के लिए;

अनुसूची

6½ cents of land with building in S. Nos. 1153/8 & 1153/3  
of Trichur village in Trichur District.“सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलमअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
4—456GI/77

तारीख : 10-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती टी० पी० नफीसा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती (1) मरियू (2) एन० के० सुबंदा  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिच्चन, दिनांक 10 जनवरी, 1978

निदेश सं० एल० सी० 164/77-78 :—यतः, मुझे, सी०  
पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कलात्मक कालिकट में स्थित है (और हग्से उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, कोपिकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

9½ cents of land with building in Kallai, Calicut.

यतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः—

सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-1-1978

मोहर

प्रलेप आई०टी० एन०एस०

(1) श्री एटवेरेड दासैथा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, एरणाकुलम

कोर्टीन, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश सं० एल० सी० 166/77-78 :—यतः मुझे सी०  
पी० ए० वा० सु० देवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णा है), रजिस्ट्रोर्हर्टी अधिकारी के कार्यालय, तिरुवट्टार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन, तारीख 10-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कशी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) 1. श्री गनगाधरन नायर (2) मरसम्मा नायर  
(3) शशिकला विजयन (4) शतीशचन्द्रन नायर  
(5) सुरेशकुमारन नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में बोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

**स्पष्टीकरण:**—इसमें 'प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

9 cents 270 sq. links of land with buildings in Anchamada Village, in Trivandrum.

सी० पी० ए० वा० सु० देवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 17-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 25 जनवरी, 1978

निर्देश सं० 202/77-78/ अर्जन :—यतः, मुझे, डि० वि० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सं० नं० 1134/45 है जो विजापुर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिपुर डाक्युमेंट नं० 440, दिनांक 21-5 1977 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरके (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की प्रधारा(1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, नांक प्रधारा:-

(1) श्री संगण्ठा (2) श्री भीके अंनीपमंकड़  
पुत्र ए० पि० एम० जी० विजापुर  
(अन्तरक)

(2) श्री मलिनकाण्णु गिरिमल्लप्पा कट्टी, पार्टनर मैसर्स  
जोगूरनंदि को, ए० पि० एम० सि० विजापुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताशकी के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपूत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिसाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजापुर में स्थित स्थावर सम्पत्ति, जिसकी सिटी० सं० नं० 1134/45 ।

डि० सि० राजगोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 25-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 25 जनवरी, 1978

निर्देश सं० 203/77-78/ ए० सी० क्य० ०:—यतः मुझे,  
डि० सी० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 109, 154, 184, 125 और 136 है, जो हरवाली ग्राम, बालेहेनूर हेवली, होसगढ़ी एस्टेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसींहराजपुर लाभयुमेट नं० 22/77-78 तारीख 10-5-1977 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता०

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूझमान प्रतिफल के सिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बूझमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

(1) श्री एडवरड गिलबरट पिनटे कपी प्लेटर, सना एस्टेट संबंधमेस्वर पेट, (डिस्ट्रीख बजिक्कमंगलूर)  
(अन्तरक)

(2) (1) श्री कसमिर पिनटे सुपुत्र पूटर पिनटो (2) श्रीमती जूलिना पलोरीना बेनेडिक्टा पिनटो पत्नी कसमिर पिनटो (3) रिचरड एरिक बिक्टर पिनटो और (4) रोनाल्ड लेसलियां पिनटो कापि फ्लैटर, हसगद्दे एस्टेट कट्टीमते पोस्ट व तांलूक नरसिंहराजपूर, (सिमोगा)  
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हरवाली ग्राम में सम्पत्ति पहचान नाम होसगद्दे एस्टेट सं० 109, 154, 184, 125 और 136 विस्तीर्ण 33 एकड़ और 24 गूठे का है।

डि० सी० राजगोपालन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 25/1/78  
मोहर :

प्र रूप श्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 जनवरी, 1978

निदेश सं० चण्डीगढ़ / 40/77-78 :—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 166, सेक्टर 20 ए० है तथा जो चण्डीगढ़ मे॒ स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मे॒, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, यब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण मे॒, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा :—

(1) मिस वेनू कुमारी द्वारा श्री कृष्ण कुमार सागर पुत्र श्री गंगा विश्वन निवासी 17, कानपुर रोड, इलाहाबाद (अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार वासुदेवा निवासी मकान नं० 166 सेक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे॒ कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे॒ परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

अनुसूची

1 1/2 मंजल मकान नं० 166 सेक्टर 20-ए० चण्डीगढ़ जिसका रक्का 198.33 वर्ग गज है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 381 तिथि 29-6-1977 मे॒ दी गई और है जो रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय मे॒ दरज है।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 27-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 जनवरी 1978

निवेश सं० बल्लबगढ़/10/77-78—यत्, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला प्लाट नं० बी० 6, ब्लाक टी०-एन० आई० एच०, एन० आई० टी० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नोता राम पुत्र श्री सेवा राम निवासी 1-डी०-6, एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार (2) श्री सुदर्शन कुमार पुत्रान श्री दीवान चन्द, मकान नं० 530 सैक्टर 15-ए, फरीदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त पद्धतें और पद्धतें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बंगला प्लाट नं० बी०-6, डी एन एच आई०, एन० आई० टी०, फरीदाबाद तथा जिसका रकबा 216 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ में कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 685 मास मई, 1977 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 27-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आमंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /111/269/77-78--  
ग्रतः, मुझे, ए० एल० सूद,

आमंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13/14 का 1/4 हिस्सा है तथा जो डब्ल्यू०  
ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्द सिंह, सुपुत्र श्री सन्त राम, निवासी 13/14,  
डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दविन्द्र कुमार चावला, सुपुत्र श्री मोती राम  
चावला, निवासी 13/14, डब्ल्यू० ई० ए०, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ढाई० मंजिला मकान का 1/4 हिस्सा जिसका खेत्रफल 276  
वर्गगज है, और नं० 16/10597, प्लाट नं० 14, ब्लाक नं० 13  
है, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से  
स्थित है :—

पूर्व : अन्य जायदाद

पश्चिम : गली

उत्तर : गली

दक्षिण : गली

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्य०/111/268/77-78—

प्रत; मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/14 का 1/4 हिस्सा है तथा जो उब्लू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

(1) श्री नन्द सिंह, सुपुत्र श्री संत राम, 13/14, उब्लू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली। श्री इकबाल सिंह के० जनरल अटारनी।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर कुमार चावला, सुपुत्र श्री मोती राम चावला, निवासी 13/14, उब्लू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

द्वाई मंजिला मकान का 1/4 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 276 वर्ग गज है और नं० 16/1059, प्लाट नं० 14 ब्लॉक नं० 13 है, उब्लू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य जायदाद

पश्चिम : गली

उत्तर : गली

दक्षिण : गली

ए० एल० सूद

समक्ष अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री एन० जे० गमादिया एण्ड अन्य

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स, गोवानी विल्डर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बंबई

बंबई, दिनांक 17 जनवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

निर्देश सं० ए०आर०आई०/2036-11/77:-अतः, मुझे एफ०  
जे० फर्नांडीज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4/755 का माला एण्ड  
है, तथा जो जक्षन बी० डेसाईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 24-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्य में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्विर्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में  
किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1889/72/बंबई उप रजिस्ट्रार  
अधिकारी द्वारा दिनांक 24-5-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एफ० जे० फर्नांडीज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, बंबई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमातः :—

तारीख: 17 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०————

(1) श्री पुखराज एल० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तर्वः)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बंबई

बंबई, दिनांक 18 जनवरी 1978

निर्देश सं० अ० ई०-1/2034-9/77 :—अतः, मुझे, एफ० जे० फनर्डीज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी मं० सी० एस० नं० 714 और 715 का माला एण्ड कं बाल-हिल डिवीजन आफ पेडर रोड मे० स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बंबई मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे० मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(2) सोनारिका को० आप० हाउ० सो०लि० सोसायटी के सदस्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे० कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि : ता० मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध वि० सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिंग ता० मे० किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क मे० यथा परिभाषि हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मे० दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3188/72/बंबई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 9-5-77 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एफ० जे० फनर्डीज,  
सक्षम प्राधिक री  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बंबई

तारीख : 18 जनवरी, 1978  
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

नं० आर० ए० सी० 181/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेक्टरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आदाबाग, 25/246 है, जो ननदीयाल में  
स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ननदीयाल में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 21-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

1. श्री राजम रेडी रामालीनम रेडी, बनदी  
आतमाकूर-गड, ननदीयाल, करनूल जिला

(अन्तरक)

2. श्री पैरेडी वीजया बासकर रेडी, उडमुलापुरम,  
ग्राम, ननदीयाल, करनूल जिला।

(अन्तरिती)

3. मैनेजर, क्वापरेटिव अप्रीकल्चरल डेवलपमेंट बैंक,  
घर नं० 25/246, सनजीवीनगर ननदीयाल।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्रादाबाग घर का नं० 25/246 सनजीवीनगर ननदीयाल,  
करनूल जिला में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1489/77 उप  
रजिस्ट्री कार्यालय ननदीयाल में है।

के० एस० वेक्टरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं०-182/77-78—यतः मुझे के०  
एस० वेंटकरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० आदा भाग नं० 25/246 है, जो सनजीव नगर, ननदीयाल में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ननदीयाल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजमरेडी रामालीनगा रेडी बनडी, आतमाकूर-गड, ननदीयाल तालुक, करनल जिला (अन्तरक)
2. श्री पैरेडी शेषी रेडी, उडमुलापुरम ननदीयाल तालुक, करनल जिला, (अन्तरिती)
3. मैनेजर, क्वापरेटिव अग्रीकल्चरल इवलपमेंट, वैंक धर नं० 25/246, सनजीवनगर, ननदीयाल। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आदा भाग धर नं० 25/246 सनजीव नगर, ननदीयाल करनल जिला, रजिस्ट्री की दस्तावेज नं० 1490/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय ननदीयाल में।

के० एस० वेंटकरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—--—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 183/77-78—यतः, मुझे, के० ए० स०  
बैंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 11-6-862/1-ए. है, जो रेड हील्स, हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और तुरंत रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति गत से अधिक है और मन्त्रालय (अन्तरकों) और मन्त्रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिलिपि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृपा से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुर्ड किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य अस्तियों से, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन तथा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शेरबानू सजनलाल पति-जनाब जलालदीन सजनलाल घर नं० 11-6-862/1-टी, रेड हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सलेदा सुलताना साहेब पति सैयद गुलाम महमद, 11-6-862/1-ए, रेड हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

जमीन का सता घर नं० 11-6-862/1-ए, रेड हील्स, हैदराबाद रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1130/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० बैंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अन्तरिती, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 184/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन  
आ॒कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 123, 124, 14 है, जो पनजागुटा,  
हैदराबाद, में स्थित है (शीर इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 17-5-1977

को दूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित वा॒ गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महमद करीमुला,  
घरनं० 13-3-57, मुस्तेदपुरा, हैदराबाद  
(अन्तरक)  
2. श्री सूरज कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, हरीपेटेई,  
10-9-330-ए, नेहरूनगर, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**एष टीकारणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कुल जमीन विस्तरं 600 बर्ग यार्ड, 123, 124, और  
161 सरवे नं० है, पनजागुटा कैरसाबाद में है। दस्तावेज  
नं० 1187/77 रजिस्ट्री की गई है कैरसाबाद उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोड़:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 185/77-78—यतः मुझे, के०  
 एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 229 है, जो अनन्तापुर में स्थित है (और  
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तापुर में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 5-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
 का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर 11) ॥  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
 नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी  
 करने परा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय पर किसी घन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था; या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा  
 (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मेकला बालप्पा
- (2) एम० वासुदेवप्पा
- (3) श्री एम० रागवेन्द्र गौड
- (4) एम० कृष्णन्न्या
- (5) एम० मदुसूदन
- (6) एम० सुधाकर गौड, के० के० अग्रहारम,  
 अनन्तापुर ।

(अन्तरक)

2. श्री कासुमी वैनकट चलपती-  
 पिता : बाला वैनकटय्या, डी० सं० 11/229,  
 सडी नगर, अनन्तापुर ।

(अन्तरिती)

3. सर्व श्री (1) जोगमरेड्डी  
 (2) समबसीवामूरती  
 (3) कूरपती नारायणा,  
 (4) जी० महानन्द-रहतेई-229/11, अनन्तापुर  
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
 किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
 वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

### अनुसूची

घर नं० 229, वार्ड नं० 11, अनन्तापुर म्यूनिसिपैलिटी का  
 है। रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1541/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय  
 अनन्तापुर में ।

के० एस० वेंकटरामन  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-1-1978

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978'

सं० आर० ए० सी० नं० 186/77-78—पतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जरा नं० 14 है, जो बशीर बाग पयालेस  
में स्थित है (और इससे उपांडु अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 11-5-1977

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा  
के लिए;

प्रसः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

6-456GI/77

1. मैसर्स हैदराबाद, निराश्रितों हौजीनग कोआपरेटि  
सोसायटी, अधीपति श्री मूलचन्द पेलडरवास  
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्री हुमूडल दास नारायण दास, घर नं०  
6-3-1105, सीमाजीगुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

3. एस० मल, 6-3-883/ए/2, पनजागुटा, हैदराबाद।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सक्षमत्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### घनुसूची

कुल जमीन विस्तरण 433 वर्ग यार्ड प्लाट नं० 14  
जिसका नं० 5-9-30/1 बशीर बाग पयालेस, हैदराबाद में  
रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1009/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

स० 187/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी स० कुल जमीन है, जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में भी जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सख्त अधिनियम के घट्टीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री बी० भापा रेडी पिता वीरा रेडी,  
मुबारकपुर, गड, सनगारेडी

(अन्तरक)

2. (1) श्री के० दुरगा रेडी, पिता रामवरेडी,  
(2) श्रीमती श्याम्यमा पती कीशटारेडी  
चेनगनपुरगड, अनंदोल, मेदका जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति की गयी होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन वीस्टर्न 738 वर्ग यार्ड, अमीरपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1062/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० एस० वेकटरामन  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एस.एस.—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वीं

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं. 188/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वीं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं. 7-3-250 है, जो हीन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाधिन्द्र अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हीन्दपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० यसीदम्मा पती सत्यानारायणन, मर्वेमट मेन बाजार, हीन्दपुर।

(अन्तरक)

2. श्री एन प्रवीन कुमार  
माता उनका देकनेवाला है, मेन बाजार, हीन्दपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग घर नं. 7-3-250 हीन्दपुर रजिस्ट्री दस्तावेज नं. 1184/77 उप रजिस्ट्रीकार्यालय हीन्दपुर में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12-1-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 189/77-78—यसः मुझ, के०  
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पाचवाले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 7-3-250 है, जो हीन्दपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हीन्दपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-77  
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नारारतनम्मा पति आर्माधेनकटरामय्या  
वेपारी, करनूल।

(अन्तरक)

2. श्री ए० एन० प्रधीण कुमार

उसका माता :

श्रीमती ए० एन० शानता कुमारी,  
मेन बाजार, हीन्दपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आधा भाग घर नं० 7-3-250 हीन्दपुर, मैं रजिस्ट्री का  
दस्तावेज, नं० 1185/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हीन्दपुर में।

के० ए० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12-1-1978

मोहर :

प्रलूप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अजग रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 190/77-78—यतः मुझे के०  
एस० वेंकट रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 11/5/4 है, जो अलवाल, हैदराबाद वेस्ट मे०  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट  
मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 9-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की  
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ऊ मा देवी, पती के० सीतारामाराजू  
भरनं० 8-77, गोल नाका, अलवाल हैदराबाद जिला।  
(अन्तरक)
2. श्री बी समपतलाल सुराना पिता भक्ता वरमूल सुराना  
जेन घर नं० 506, सदर बाजार, बीलारम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों मुख करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही मर्य होगा, जो उस प्रध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 11-5/4 जगा नं० सी-92, सी-93 सर्वे नं०  
190 विस्तीन-344 वर्ग यार्ड, लोतकुनटा अलवाल हैदराबाद  
वेस्ट, में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1058/77 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 191/77-78—यतः मुझे के० एस०

बैंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-4-478 है, जो कृष्णानगर, कालोनी, बीलकपुर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-1977

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वतः—

1. श्रीमती कैलाश गोरी पती स्वर्गीय ननद शनकर और रावल, 6-4-478 कृष्णानगर, कालोनी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महालक्ष्मी वी० एम० एकामरबम, पति वी० एकामरबम धरनं० 6-4-478 गौधीनगर सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनं० 6-4-478 (प्लाट नं० 31 और 32/2) कृष्णानगर कालोनी, बीलकपुर, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 676/77 उपर जिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० बैंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० न० 192/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुली जमीन नं० 110, जो बाकारम गाऊँ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहाए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री जे० पराम किशन राऊ, घरनं० 1-1-380/10 आशोक बाग, नगर, मयाबाकारम, हैदराबाद।  
(अन्तकर)

2. श्री महमद अब्दुल कादर, घरनं० 1-8-155/5, पेंडर यास्ट रास्ता सिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्यवहारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन सरबे नं०-110 बाकारम गाऊँ, 9 और 17 का भाग है, आशोक नगर बाकारम हैदराबाद विस्तीर्ण 426 वर्ग यार्ड है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1143/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख 12-1-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के मध्यीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं. आर० ए० सी० नं० 193/77-78—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर ग्रन्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रन्थिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपौ से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 110 है, जो बाकारम गाउ में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदरावाड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की वापसी, उसका अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रत्युत्तरण में ऐसे, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० प्रामकिशन राऊ, घरनं० 1-1-380/10,  
अशोक नगर. (नया बाकारम), हैदराबाद  
(अन्तरक)

२. श्री उभाषुल राजाक  
धर्म नं० १-५-३८८/१, जमोस्तापुर, मार्कीट,  
मुशीराबाद, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया

अनसाथी

कुली जमीन सरखे नं० 110 बाकारम गाउ, प्लाट नं० 9 और 17 में है। आशोक नगर, हैदराबाद जिसका वीस्टीर्ण 600 वर्ग यार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1144/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० एस० बैकटारामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-1-1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 194/77-78—यतः मुझे, को०  
ए० स० वैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-454 है, जो नामपत्री, हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 30-5-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—456GI/77

1. श्रीमती सरवरी बंगम, पती स्वर्गीय महमूद मसीमीदीन  
सैयद, मलकपेट, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री इकबाल सैयद, पोता जैनुलाब्दीन,  
5-4-454, नामपत्री, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

घर का नं० 5-4-454, इसका सामने का भाग नामपत्री  
स्टेशन रोड, हैदराबाद। विस्तर 283 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 1237/77 उपर रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० वैकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 195/77-78—यतः मुझे,  
के० एस० बैंकटरामन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 15-1-5 है, जो ऊसमान गंज,  
हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 30-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्राम्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सीला बाडी,

घरनं० 15-1-1, ऊसमान गंज,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री हातीम अली, प्लाट नं० 14,  
दोमंजिला, मदीना घर, पतरगटी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 15-1-5 ऊसमान गंज, हैदराबाद रजिस्ट्री  
एस्टेवेज नं० 1149/77, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० एस० बैंकटरामन  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 196/77-78—यतः मुझे के०  
एस० बैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जगा नं० 3 है, जो बशीरबाग व्यालेस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. हैदराबाद डीसप्लेसड परसनस होसिंग को अपरेटर सोसाइटी, श्री मूलचन्द के द्वारा, पेनष्टरहास्ट रास्ता, मिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अमरलाल धरनं० 21-1-24,  
लीलाराम धर रीकाबग़-ज हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी अविक्तियों पर इसका की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जनीन नं० 3 बीस्टीर्न 438 वर्ग याई धरनं० 5-9-30/1, बशीर बाग पैलेस, हैदराबाद बाग है। रजिस्ट्री की दस्तावेज नं० 1005/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बैकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-78

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० नं० 197/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी सं० ज्लाट नं० 6 है, जो बशीर बाग प्लैट्स, में  
स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 10-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित  
(प्रत्यक्षितों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) प्रत्यक्षित सुविधाओं और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में कर्मी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रष्ट आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिक्षीय  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

1. हैदराबाद डीसल्सेसड परसन्स हाउसिंग कोआपरेटिव  
सोसाइटी, उस का प्रेसीडेंट श्री मूलचन्द है  
पेन्डरगस्त रास्ता सिकन्दराबाद।

(प्रत्यक्ष)

2. रमेश कुमार धर नं० 21-1-65,  
रीकाबगनज, हैदराबाद

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
भ्रष्ट व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

ज्लाट नं० 6 बीस्टीर्ण 334 वर्ग याडैधर नं० 5-9-30 /1  
का भाग है, बशीर बाग प्लैट्स, हैदराबाद में, रजिस्ट्री का  
दस्तावेज, नं० 1006/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-1978  
मोहर :

प्रलेप प्राई ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 198/77-78—यतः मुझे, के०  
एस० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है, जो बशीर बाग प्लाइस म  
स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
10-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ  
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अकित्यों, अर्थात् :—

1. दी हैदराबाद डीसप्लेसड परसन्स हौसिंग कोआपरेटिव  
सोसाइटी लिमिटेड

उसका प्राधिकारी : श्री मूलचन्द है,  
पेनडरधास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल दास, घर नं० 3, शीरधन, बशीरबाग,  
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टटीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लाट नं० 7 विस्तीर्ण 307 वर्ग यार्ड धर नं० 5-9-30/1  
भाग है, शीरबाग हैदराबाद में है । रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
1007/77, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० एस० वेकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई०टी०एन०एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० नं० 199/77-78 यतः— मुझे, के० एस० वेकटरामन  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है  
 और जिसकी सं० प्लांट नं० 9 है, जो बाहीर बाग प्लालेस  
 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 हैदराबाद में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
 का 16) के अधीन 11-5-77  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
 का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी हैदराबाद, डोसल्वेस्ड परसन्स हाउसिंग सोसाइटी  
 इसका प्रेसीडेंट्स श्री मूलचन्द है  
 पेनडर धास्ट रास्ता सिकन्दराबाद  
 (अन्तरक)

2. श्री सोबराज पिता जगतराम धर नं० 21-7-84/1,  
 धानसी बाजार, हैदराबाद।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
 अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 9 विस्तीर्ण 324 वर्ग यार्ड है, धर नं०  
 5-9-30/1 बाहीर बाग हैदराबाद का भाग है। रजिस्ट्री दस्तावेज  
 नं० 1008/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेकटरामन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 16-1-1978  
 मोहर :

प्रस्तुति आई०टी०एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० नं० 200/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेक्टरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है, जो बशीरबाग, प्यालेस,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपांचल अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 9-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उच्चारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. दी हैदराबाद डीसप्लैसेंड परसन्स कोआपरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी लिमिटेड,  
उसका अधिपती श्री मूलचन्द्र पेनडरगस्ट रास्ता  
सिकन्दराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री सुनहरदास जेवतराम लालवानी, घर नं० 1-2-3 65/5/  
1, गगन महल, रास्ता, हैदराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

इष्टांकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन प्लाट नं० 4 वीस्टीर्ण 372 वर्ग यार्ड घर नं  
5-9-30/1 का भाग है, बशीर बाग प्यालेस, हैदराबाद में  
रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1010/77 है उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेक्टरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-78

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 201/77-78---यतः मुझे, के० एस०  
बेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-व्य  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
में अधिक है

और जिसकी सं० अरनं० 15-1-503/ए२० है, जो सीदी में बर  
बाजार, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद दुबोली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 30-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
इप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब्ल, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० डो० खनां और आर० डी० खनां घर नं०  
270, सोरडपल्ली, सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० राजमा पति आर० वीरय्या श्री कीशणा  
और कम्पनी गलासबेर मर्चेन्ट्स को द्वारा  
नेजामशही रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

3. जोइन्व ट्रान्सपोर्ट कम्पनी, चन्द्राकान्ता  
पिता शीव लाल, घर नं० 15-1-503/ए०/20  
बेजाम गडी, रास्ता, हैदराबाद।

(वह अक्षित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से  
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रत्य अक्षित द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 15-1-503/ए०/20 अशोक मारकीट, सीटी  
अम्बरबाजार, हैदराबाद में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 382/77  
उप-रजिस्ट्री कार्यालय दुबोली, हैदराबाद में।

के० एस० बेकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-78

मोहर :

प्रस्तुति दी० एन० एस०————

(1) भीमती बी० सरला और श्री हीरालाल ।  
(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ष (1) के प्रवीन सूचना

(2) श्री एस० वी० नरसिंह राव, श्री बी० श्रीनिवास, और  
श्री डी० वी० बी० प्रसाद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जनवरी 1978

निदेश सं० 5643/म०/77:—यतः मुझे, के० पोखन,  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 21/बी०/1 भीमस मुद्रित गाड़न, मद्रास 18  
म० स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास (डाकुमेन्ट  
453/77) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए सब पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धमकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ।

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
दरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपलापा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवाद:—  
8-456 GI 77

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
ब में किसी अन्य अन्तिकरण द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारि-  
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाव  
में दिया गया है ।

अमृतसूची

मद्रास 18, भीमस मुद्रित गाड़न स्ट्रीट और सं० 21/बी०/1  
में 2 ग्राउन्ड और 1336 स्क्युयर फीट का भूमि (मकान के साथ) ।

के० पोखन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 24-1-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एलमसै० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निवेश सं० 3856/म०/77:—यतः, मुझे, के० पोषन,,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 42, कुबेरगनपति कोविल स्ट्रीट, मनियलकन  
नगर, मद्रास-50 मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे०  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अम्बुटर (डाकुमेन्ट 368/77) मे०, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्थावरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 50, मनियलकन नगर, कुबेरगनपति कोविल स्ट्रीट,  
सं० 42 मे० 2152 स्क्युयर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोषन,  
संधर्म प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-1-78

मोहर:

प्रूप माई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एम० एस० कासिनातन श्रौ० वे० एम० एस०  
मुत्तेयन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 9 जनवरी, 1978

निवेश सं० 3864/म०/77:—यतः, मुझे, के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 193/4, 193/5; 193/6; 193/7;  
193/8 और 193/14 है, जो एलुमिनियम पालयम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय, स्वामिमलैं (डाकुमण्ट  
359/77) मेरिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन तारीख, 12-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षतः:—

(2) ती० बार्स मट्टल शीट रोलिंग मिल्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भावित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

**अनुसूची**

तन्जाऊर जिला, कुम्बकोनम तालुका; दारासुरम पञ्चायट  
लिमिट, एलुमिनियम पालयम गांव में 2-12 एकड़ (मकान के साथ)  
(नया सर्वे सं० 193/4; 193/5; 193/6; 193/7; 193/8;  
और 193/14) ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रन्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-1-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री राजा राजगोपाल तोमसामान ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

(2) बेम्बर आफ कामर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 9 जनवरी 1978

निवेश सं० 3878/मै/77:—यतः, मुझे, के० पोषन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 2429, है, जो वार्ड सं० 5  
ब्लाक 37 वेस्ट मरिन स्ट्रीट, पुकुकोटै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जे० एस० आर० I पुकुकोटै (डाकुमेण्ट 685/77) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3 मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जा  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पुकुकोटै, (वेस्ट मरिन स्ट्रीट), ब्लाक 37, मुनिसिपल वार्ड  
सं० 5, टी० एस० सं० 2429, मै 7642 स्क्युर फीट का भूमि  
(मकान के साथ) ।

के० पोषन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 9-1-78

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मोहमद साहिब ।

(पन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II

123, माऊन्ट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निवेश सं० 3879/म/77:—यतः; मुझे, के० पौष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी ता० मजीड कालनि अड्ड्य बयल, पुदुकोटै में स्थित  
है (और इसके उत्तरद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I पुदुकोटै,  
(डाकुमेण्ट 848/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के  
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(2) श्रीमती एन० के० ए० सुलेका बीवि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त पाबद्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

पुदुकोटै, अड्ड्यन बयल पहला स्ट्रीट, सं० 124, 125, 126,  
127 और 128 में भूमि (17,710 स्कुयर फीट) और मकान।

के० पौष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 जनवरी, 1978

निदेश सं० 3880/मे०/77:—यतः, मुझे, के० पोशन,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 34, दूसरा मध्यन रोड़, श्रीनगर कालनि, कुम्ब-  
कोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोनम  
'डाकुमेण्ट 699/77) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-1977  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यह, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एस० एकलयानम अयर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० सुरिय अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, श्रीनगर कालनि, दूसरा मध्यन रोड़, सं० 34,  
में भूमि और मकान।

के० पोशन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-1-78

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० —————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी, 1978

निदेश सं० 3881/म०/77:—यतः मुझे के० पोषन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269वाँ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० एस० 2376/2 विलार रोड़, तन्जाऊर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्जाऊर 'डाकुमेण्ट'  
1226/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

(1) श्री टी० के० राममूर्ती।

(अन्तरक)

(2) श्री मनिकन्ठ रेड्डीयार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

तन्जाऊर, विलार रोड़, 14375 स्कुयर फीट (टी० एस०  
सं० 2376/2) (मकान के साथ)।

के० पोषन,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 3 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

मद्रास-650006, दिनांक 3 जनवरी, 1978

तिदेश सं० 3883/म०/77:—यतः मुझे, के० पोशन,  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ष के प्रधीन  
सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 16 और 16 ए० सौत मडवलागम स्ट्रीट, कल्लर,  
मस्तिहास से उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कल्लर वेस्ट 'डाकुमेन्ट  
1611/77' में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के प्रधीन, तारीख 21-5-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाधृत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

(1) श्री अमरेयप गोप्तर और ए० नटराजन।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वी० राजु पिहले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी विवाद :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कर्लर, सौत मडवलागम स्ट्रीट, सं० 15, और 16 एम  
भूमि और मकान।

के० पोशन,

सकाम प्राधिकारी

(सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-1-78

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्रीमती एस० उशारानि ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निदेश सं० 4292/मे०/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-घ के अधीन सधूस प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 37, टाटाबाद तीसरा स्ट्रीट, कोयम्बतूर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गादिपुरम (डाकुमेण्ट 342/77) मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख मे 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक द्वायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया द्वा या किया जाना चाहिए था, लिपाने मे सुधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कुञ्जमाल ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाइस्ताकारी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभा-षित है, वडी अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुभूची

कोयम्बतूर, जी० एम० सं० 206 और 208, संगनूर गांव, टी० एस० 11/117, प्लाट सं० 166 मे 7 सेट और 404 स्क्युपर फीट मे भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,  
सधम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 3 जनवरी 1978 ।

मोहर :

प्रदूष प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निवेश सं० 4292/में०/77:—यतः मुझे, को० पोष्टन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 37 ए०, टाटाबाद तीसरा स्ट्रीट, कोयम्बतूर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांतिपुरम (डाकूमेण्ट  
343/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मे 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कुञ्जमाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० निर्मला देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, संगनूर गांव, जी० एस० सं० 206 और 208,  
टी० एस० सं० 11/417, घ्लाट सं० 166 में 7 सेन्ट और 263  
स्क्युर फीट (मकान के साथ)।

के० पीष्टन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखितव्यक्तियों, पर्यातः—

दिनांक: 3 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निर्देश सं० 4348/जून/77:—यतः मुझे, को० पौत्रन्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 16/35, वेरियाडु चेट्टियार ले आउट, मेटुपालयम  
रोड, मारा० एस० पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1313/77) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एच० मोहम्मद हुसैन और एच० अब्दुल कलम।  
(अन्तरक)

(2) श्री पी० ए० बाबा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, पेटुपालयम रोड, वरियावाड चेट्टियार ले अउट,  
सैट : 35 में 6800 स्क्युर कीट का भूमि (मकान के साथ)  
(डोर सं० 16/35, नया टी० एस० सं० 8/1363/1 ए०-भाग)।

के० पोषन,  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II; मद्रास

तारीख : 3 जनवरी 1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०——

(1) श्रीमती वी० पोष्टमाल ।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री दुरेराज और गोमति अम्माल ।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मंस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1978

निदेश सं० 30/मई/1977:—यतः, मुझे, ए० टी० गोविंदन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36 (टी० एस० सं० 1135) है, जो नार्थ बेलि स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पतुमन्डपम, मदुरै (पत्र सं० 468/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वा वाच ऐसे अन्तरण के लिये तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना भी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस गूचना वा राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन प्रा अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मदुरै, नार्थ बेलि स्ट्रीट, डोरसं० 36 (टी० एस० सं० 1135) में 2178 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविंदन,  
भक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अप्पारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 17 जनवरी, 1978

मोहर :

प्र० श्री गोविन्दन आननद और आदी ।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री कन्याकुमारी गुरुकुल आषरम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक, 17 जनवरी 1978

निदेश सं० 43/मई/1977:—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 511/2, 512/2, 513/1, 513/2, 514/1 और 514/3 खरंगुलम है, जो मैं स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पनगुडि (पत्र सं० 442/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन से 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अध्येत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

तिरुनेलवेलि जिला खरंगुलम गांव (एस० सं० 511/2 (7.74 एकड़), 512/2 (5.60 एकड़), 513/1 (5.03 एकड़), 513/2 (6.83 एकड़), 514/1 (6.457 एकड़) और 514/3 (0.24 एकड़) म 32.01 एकड़ खेती की भूमि ।

ए० टी० गोविन्दन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास ।

दिनांक : 17-1-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसंबर 1977

निदेश नं. 787 ए०/अर्जन/रुड़की/77-78/5902.—  
अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो मेरे स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मेरे पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की मेरे, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
31-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यामापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

((ख)) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम  
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरित  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना  
आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपष्टारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ग्रमगर पुत्र अहमद निवासी ग्राम मिरजापुर  
मुस्तकाबाद डा० लन्धोरा परगना रुड़की जिला सहारनपुर  
(अन्तरक)

(2) श्री शराकत एवं यासीन पुत्रगण नवी बक्श, असगर  
पुत्र जकरा, मकसूद नूर एवं जाहिद पुत्रगण रहीम  
बक्श निवासी मिरजापुर मुस्तकाबाद, परगना रुड़की  
जिला, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
फार्मवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 6 बीघा 18 विस्वा 10 विस्वासी  
स्थित मिरजापुर मुस्तकाबाद रुड़की जिला सहारनपुर 25,000/-  
के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख . 16-12-1977

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th January 1978

No. A.12019/5/76-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. S. Prasad, S.S.O.-I of the Armament Research and Development Establishment, Ministry of Defence, Pune-411001 to the temporary post of Manager (E.D.P.) in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 28th December, 1977, until further orders.

The 6th January 1978

No. A.12025/1/77-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. C. Jain, a Programmer of the C.R.A., R. K. Puram, New Delhi to the temporary post of Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 31-12-1977.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secretary,  
for Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st December 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(1).—In modification of this office notification of even number dated 1-12-77, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 12-11-77 to 9-12-77 (F.N.) or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(2).—In modification of this office notification of even number dated 1-12-77, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 20-11-77 to 29-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(3).—In continuation of this office notification No. A.32011/1/77-Admn.III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-1-78 to 31-1-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(4).—In continuation of this office notification No. A.32011/1/77-Admn.III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-1-78 to 6-1-78 (F.N.) or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 18-10-77, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 3-12-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(6).—In continuation of this office notification of even number dated 2-11-77, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 7-12-77 to 24-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.

(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th January 1978

No. 97 RCY 32.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri P. C. Khurana, an Assistant Director of Horticulture of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner (Hort.) in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 13th January, 1978, until further orders.

The 21st January 1978

No. 87 RCY 28.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission in an officiating capacity with effect from the 18th January, 1978 to 28th February, 1978 or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS,  
Under Secretary,  
for Central Vigilance Commissioner

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF PERSONNELS &amp; ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi, the 18th January 1978

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

F. No. A-19014/1/77-Adm.V.—Shri R. P. Gupta, officiating Grade I officer of C.S.S. and Administrative Officer, Central Bureau of Investigation has relinquished charge of the office of Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi with effect from the forenoon of 26-12-77.

A. K. HUJI,  
Administrative Officer (E),  
C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 2nd January 1978

No. 0.II-1202/75-Estt.—Consequent on his repatriation to Orissa State, Shri Ajit Kumar Ghosh, relinquished charge of the post of Dy.S.P. (Coy. Comdi.), 9th Bn., CRPF, on the afternoon of 31-12-77.

The 24th January 1978

No. 0.II-1078/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Bhola Shanker Mishra as GDO, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdi.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th December, 1977 until further orders

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
(CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110024, the 17th January 1978

No. I-38013(3)/15/77-Pers.—On transfer from Bombay Shri P. A. Pandharkar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, HOC Ltd., Rasayan, Distt. Kolaba with effect from the forenoon of 30th December, 1977 vice Shri S. K. Arora, who relinquished the charge of the said post with effect from the same date on transfer to Baroda.

The 20th January 1978

No. I-38013(3)/15/77-Pers.—On transfer from Kolaba, Shri S. K. Arora assumed the charge of the post of Asstt.

Commandant CISF Unit IOC Gujarat Refinery, Baroda with effect from the forenoon of 9th January, 1978.

L. S. BISHT,  
Inspector General/CISF

**INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
(OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR  
GENERAL OF INDIA)**

New Delhi, the 17th January 1978

No. 29-58-CA-171.—Shri P. S. Rao, Audit Officer (Commercial) has voluntarily retired from Government service with effect from 29-12-1977 (A.N.) under the provision of the scheme of voluntary retirement for Central Government Employees.

S. D. BHATTACHARYA,  
Joint Director (Commercial)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
MADHYA PRADESH**

Gwalior, the 27th December 1977

No. Admn. I/447.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an Officiating capacity in the Scale of Rs. 840-40-1000-E. B.-40-1200 with effect from the dates noted against each :—

1	2	3	4
S/Shri			
1. M. S. Atmanathan . . .	(02/0225)	1-11-77 Forenoon	
2. A. G. Paranjape . . .	(02/0226)	14-11-77 Forenoon	
3. G. P. Jain . . .	(02/0229)	31-10-77 Forenoon	
4. S. S. Mishra . . .	(02/0230)	31-10-77 Forenoon	
5. D. R. Dighe . . .	(02/0231)	31-10-77 Forenoon	

KRISHNA GOPAL,  
Sr. Dy. Acctt. General (Admn)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
(OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS)**

New Delhi-110022, the 21st January 1978

No. 18338/AN-JL.—On attaining the age of 58 years, Shri M. Venkataramaya, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 30-9-1978.

V. S. BHIR,  
Addl. Controller General of Defence Accounts

**MINISTRY OF LABOUR  
(LABOUR BUREAU)**

Simla-171004, the 8th February 1978

No. 23/3/77-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960 = 100 for December, 1977 remained stationary at its November, 1977 level of 330 (three hundred and thirty). Converted to base : 1949 = 100 the index for the month of December, 1977 works out to 401 (four hundred and one).

TRIBHUAN SINGH  
Deputy Director

**MINISTRY OF COMMERCE  
(OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS)**

New Delhi, the 18th January 1978

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT**

No. 6/481/57-Admn.(G)/829.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Bahl, a permanent Controller of Imports and Exports, Non-CSS (Class-II) in this Organisation as Deputy Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th July, 1977, until further orders.

The 23rd January 1978

No. 6/100/55-Admn.(G)/979.—The President is pleased to appoint Shri K. Jayaraman, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay for a period of three months with effect from the afternoon of the 19th November, 1977.

K. V. SESADRI,  
Chief Controller of Imports and Exports

**MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi-110011, the 23rd January 1978

No. A-19018/308/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Goverdhan Das Gidwani as Asstt. Director (Gr.I) (Electrical) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. 8th December, 1977 (F.N.).

2. Consequent upon his appointment as Asstt. Director (Gr.I) (Electrical) Shri Goverdhan Das Gidwani assumed the charge of his post in the Production Centre, Thiruvalla on the forenoon of 8th December, 1977.

V. VENKATRAYULU,  
Deputy Director (Admn.)

**MINISTRY OF STEEL & MINES  
(DEPARTMENT OF STEEL)  
IRON & STEEL CONTROL**

Calcutta-20, the 9th January 1978

No. Admn.PF(415)/53(.).—On attaining the age of superannuation Shri Santosh Kumar Ghosh, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

No. EI-15(6)/77(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. R. Bose Roy, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

A. C. CHATTOPADHYAY,  
Dy. Iron & Steel Controller,  
for Iron and Steel Controller

**DEPARTMENT OF MINES  
(INDIAN BUREAU OF MINES)**

Nagpur, the 13th January 1978

No. A.19011(66)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri G. N. Sinha, Deputy Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines as Mineral Economist (Int.) in officiating capacity in the scale of Rs. 1300-50-1700/- with effect from the forenoon of 19th December, 1977.

The 20th January 1978

No. A.19011(68)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Rai, Deputy Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines as Mineral Economist (Int.) in officiating capacity in the scale of Rs. 1300-50-1700/- with effect from the forenoon of 19th December, 1977.

No. A.19011(90)/73-Estt.A.—Dr. A. K. Ray, permanent Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Deputy Ore Dressing Officer in Group

'A' post in Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from 13th December, 1977.

L. C. RANDHIR,  
Head of Office,  
Indian Bureau of Mines

**ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
(INDIAN MUSEUM)**

Calcutta-700 016, the 19th November 1977

No. 4-142/77/Estd.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri D. B. Sastry to a post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey at the South India Region, Mysore, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 7th November, 1977, until further orders.

C. T. THOMAS,  
Senior Administrative Officer

**SURVEY OF INDIA  
(SURVEYOR GENERAL'S OFFICE)**

Dehra Dun, the 17th January 1978

No. E1-5333/594-Managers.—Shri Swapan Chakraborty is appointed to officiate as Account Manager, Map Reproduction appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group B) in the Pilot Map Production Plant (CST & MP), Survey of India, Hyderabad in the revised scale of Rs. 650--30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 2nd January, 1978 (F.N.) until further orders.

The 20th January 1978

No. C-5334/718-A.—Shri Ganesh Lal, officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad hoc* basis in Southern Circle Office, Survey of India, Bangalore, on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 2nd January 1978 (F.N.) vice Shri Karunamoy Mukherjee, Establishment and Accounts Officer retired on superannuation on 31st December, 1977 (A.N.).

K. L. KHOSLA,  
Major General,  
Surveyor General of India,

**DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO**

New Delhi-1, the 18th January 1978

No. 4(19)/76-SI.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Shri Roop Krishan Bhat, relinquished charge of the post of Programme Executive at Radio Kashmir, Srinagar on the afternoon of 31st December, 1977.

No. 4(81)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Kirtida Pramodray Vora as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from 1st November, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ.  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

No. 10/84/77-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri D. N. Tripathi to officiate as Assistant Engineer at All India Radio Calcutta w.e.f. 8-12-77.

A. K. BOSE,  
Deputy Director, Administration

**DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY**

New Delhi, the 29th December 1977

No. 12026/4/77-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri A. N. Gupta, permanent—456GI/77

Accounts Officer in the office of the Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu Cantt., to officiate as Accounts Officer in this Directorate with effect from the forenoon of 19-12-1977, until further orders.

R. DEVASAR.  
Deputy Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 21st January 1978

No. A.12025/22/76(HMD) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. B. Nag, Accounts Officer, Central Institute of Psychiatry, Ranchi as Administrative Officer at the same Institute with effect from the forenoon of 24th December, 1977 in a temporary capacity and until further orders.

On reversion to West Bengal Civil Service Shri Nani Gopal Chakraborty relinquished charge of the post of Administrative Officer, Central Institute of Psychiatry, Ranchi on the afternoon of the 23rd December, 1977.

The 23rd January 1978

No. A.12025/5/77-D.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Talwar to the post of Senior Scientific Officer, Grade II (Chemistry) in the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, on a purely temporary basis, with effect from the forenoon of the 19th December, 1977 and until further orders.

S. L. KUTHIALA,  
Deputy Director Administration (O & M)

**INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT**

(OFFICE OF THE GENERAL MANAGER : MADRAS TELEPHONES)

Madras-600 001, the 20th January 1978

No. AST/DE-5/XVII/28.—Shri G. Subramanian, who was officiating as Divisional Engineer in local arrangement in this District stands reverted to his parent cadre with effect from 26-9-77 forenoon.

S. N. R. NAMBIKAR,  
Asstt. General Manager (Admn.)  
for General Manager

Madras-600001, the 21st January 1978

No. AST/AE-5/16.—The General Manager, Madras Telephone District is pleased to appoint the undermentioned Junior Engineers to officiate as Asst. Engineers in local arrangement in Madras Telephone District for the period mentioned against each:

Sl. No.	Name	Date of Pro-	Date of rever-
		TES Gr. 'B'	motion to parent cadre
1	2	3	4
	(S/Shri)		
1.	B. S. Nagarajan	15-10-77	3-12-77 Afternoon
2.	R. Sampath	14-11-77	—
3.	B. S. Ramaswamy	29-11-77	—
4.	B. S. Nagarajan	6-12-77	—

No. AST/AE-5/17.—The undermentioned Junior Engineers who are Officiating as Assistant Engineers in local arrangement in Madras Telephone District stand reverted to their parent cadre with effect from the dates mentioned against each.

Sl. No.	Name of the J. E. Officiating as A. E. in local arrangement	Date of reversion to parent cadre.
1	2	3
1.	Sri V. Subramanian	1-10-77 Afternoon
2.	Sri Y. Bhanumurthy	6-10-77 Afternoon
3.	Sri R. Sampath	1-11-77 Afternoon
4.	Sri B. S. Ramaswamy	3-11-77 Afternoon

S. N. R. NAMBISAN,  
Asst. General Manager  
(ADMN)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
(DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES)

Bombay-400 001, the 16th January 1978

No. DPS/23/2/77-Est.2757.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. M. Mondkar, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 12-12-77 to 13-1-78 vice Shri A. R. Tondwalkar, Assistant Stores Officer, granted leave.

B. G. KULKARNI,  
Assistant Personnel Officer

Bombay-400 001, the 18th January 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Estt.3145.—In continuance of this Directorate Notification of even number dated November 28, 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluvai Harihara Jyer Krishnan, Accountant, of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis, in the same Directorate for a further period ending February 28, 1978.

B. G. KULKARNI,  
for Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 19th January 1978

No. E(I)00951.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. S. S. Bhandari, as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29th November, 1977 and until further orders.

Dr. Bhandari is posted to Meteorological Centre, Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th January 1978

No. A.12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri Ajay Kumar Luthra as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from

the 26-12-1977 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.

The 20th January 1978

No. A.12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri Manabendra Nath Roy as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 9-12-77 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Dum Dum.

No. A.38012/1/77-EC.—Shri P. I. David, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 31st Dec. 1977 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.39012/3/77-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Jeet Singh Chhabra, Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi with effect from the 9-12-1977 (AN).

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 19th January 1978

No. A.32013/5/77 EA.—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer in the Civil Aviation Deptt; in an officiating capacity, with effect from the dates noted against their names and until further orders.

Sl. No.	Name	Date	Station
1	2	3	4
1.	Shri S. M. Das.	12-1-78	Madras Airport, Madras.
2.	Shri S. L. Sabherwal	26-12-77	Calcutta Airport, Dum Dum (Posted as Senior Air Safety Officer, RD Office.)
3.	Shri Jagan Nath.	9-12-77	Udhampur.
4.	Shri G. S. Budal	5-11-77	Bombay Airport, Bombay.

V.V. Johri,  
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th January 1978

No. 1/443/78-EST.—Shri M. B. Govaude, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on *ad hoc* basis, in the same office, with effect from the forenoon of 2nd January, 1978, and until further orders.

The 21st January 1978

No. 1/451/78-EST.—Shri B. Rama Rao, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on *ad hoc* basis, in the same office, with effect from the forenoon of 2nd January, 1978 and until further orders.

P. G. DAMLE,  
Director General

Bombay, the 20th January 1978

No. 1/425/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Basu, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 2-5-77 to 8-8-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/311/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Pas, Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 31-10-77 to 2-12-77 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY,  
Administrative Officer,  
for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT  
(CUSTOMS & CENTRAL EXCISE)

New Delhi, the 19th January 1978

No. 4/1978.—Shri Bhagwan Singh Office Supdt., is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from the 17th January, 1978 (forenoon) vice Shri Hari Dev Sharma retired.

The 24th January 1978

No. 3/78.—Shri S. N. Verma, a permanent Office Supdt., officiating as Asstt. Chief Accounts Officer, in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi, is appointed to officiate as Administrative Officer in the same Directorate with effect from 31-12-77 (AN) and until further orders vice Shri Hari Dev Sharma retired.

S. VENKATARAMAN,  
Director of Inspection

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 19th January 1978

No. 33/1/77-ECIX.—The Director General of works C. P. W. D. is pleased to appoint the following candidates nominated by the U. P. S. C. against temporary posts of Assistant Architects (G. C. C. S. Group B) in the CPWD on the pay as noted against each in the scale of Rs. 650-30-740-35-810 FB- 35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the dates noted against each on the usual terms and conditions.

2. These Officers are placed on probation for a period of two years with effect from the dates mentioned against their names.

Sl. No.	Name	Pay	Post against which adjusted	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Miss Asha Harwalker	Pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of period of probation of two years for the present she will draw pay of Rs. 650/-P. M. @.	Against one of the existing vacancy in SA (H & TP) II unit Co. CPWD, New Delhi	The S. O. Cash Section may draw her pay with effect from 30-12-77 F.N.
2.	Shri O. P. Bharadwaj	Do.	Against an existing vacancy in SA (NZ) IX CPWD, R. K. Puram.	The CE (NZ) CPWD may draw her pay w. e. f. 7-1-78 F.N.

D. P. OHRI,  
Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of P.T.T. Chit Fund and Finance Private Limited

Pondicherry-1, the 17th January 1978

No. 71/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company 'PT.T. Chit Fund and Finance Private

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 18th January 1978

No. A-19012/18/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri B. K. Goswami, Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Guhati Gauging Division, Gauhati, Central Water Commission, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis w.e.f. 31-10-1977 (1-N) upto the end of February, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

Shri B. K. Goswami assumed charge of the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Gauhati Gauging Division, Gauhati w.e.f. 31-10-1977 (forenoon).

The 19th January 1978

No. 8-32014/1/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman Central Water Commission hereby appoints the following Supervisors who are presently officiating in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on *ad hoc* basis, on a irregular basis in the same grade, in an officiating capacity, with effect from the dates shown against each :—

1. Shri D. Prabhakar—30-7-1977 (A.N.).
2. Shri C. Hari Das—3-6-77 (F.N.).

2 The above officer will be on probation for a period of two years with effect from the dates shown against their names.

J. K. SAHA,  
Under Secretary  
Central Water Commission

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, GOA,  
DAMAN AND DIU

New Panaji, the 16th January 1978

Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA,  
Registrar of Companies,  
Pondicherry

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, GOA,  
DAMAN AND DIU

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Goa Minerals Private Limited

Panaji, the 16th January 1978

No. 87/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the ex-

piration of three months from the date hereof the name of the Goa Minerals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. R. GHAROTE,  
Registrar of Companies,  
Goa, Daman & Diu  
Panaji

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,  
PUNJAB, H. P. & CHANDIGARH, MODEL TOWN

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of Money Plant Finance & Chit Fund Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1978

No. G/Stat/560/3189/11168.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Money Plant Finance & Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,  
Registrar of Companies,  
Punjab, H. P. & Chandigarh

*In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s Pandian Corporation Limited*

Madras-600 006, the 21st January 1978

No. 2099/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Pandian Corporation Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamilnadu

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi-110002, the 12th January 1978

I. No. 37/5/76-AD.DOMS/1483.—On their selection for appointment on deputation, the following Asstt. Directors (Programme), Office of the Registrar General, India, New Delhi, have assumed the charge of the Office of the Systems Officer, Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi, w.e.f. the forenoon of 1st December, 1977.

- (1) Sh. V. V. Rao.
- (2) Sh. M. P. Rao.
- (3) Sh. R. P. Gupta.

JAGDISH CHAND,  
Directorate of Organisation &  
Management Services (Income-tax),  
New Delhi

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 16th December 1977

Ref No. Acq/787-A/Roorkee/77-78/5902.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PFR SCHFEDULE situated at AS PFR SCHEUDLE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 31-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Asgar S/o Ahmad, R/o Vill. Mirjapur Mustafabad, P.O. Landhora, Parg. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Sharafat and Yaseen sons of Nabi Baksh Asgar S/o Jafra, Magsood, Noora and Jahid sons of Rahim Baksh, R/o Mirjapur Mustafabad, Parg. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land measuring 6 Bigha, 18 Biswa, 10 Biswansi situated at Mirjapur Mustafabad, Roorkee, Distt. Saharanpur, Transferred for an apparent consideration of Rs. 25,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-12-1977

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Rajeev Sharma S/o Rajendra Prakash Sharma  
R/o Cheepee Talab, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Tolaram S/o Nirmal Singh, R/o Patel Nagar  
meerut and S. Nirmal Singh S/o Tejram, Gunjiana  
Distt. Bhatinda.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 16th December 1977

Ref. No. Acq/894-A/Meerut/77-78/5901.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Meerut on 10-5-1977,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette on a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Immovable property consisting of plot No 34, measuring  
355 S.Y.D. situated at chota Begum Bagh, Distt. Meerut  
transferred for an apparent consideration of Rs. 42,600/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 16-12-1977  
Scal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jimmu son of Dhumi, R/o Aanekti Hetampur, P.O. Aurangabad, Parg. & Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Bhajan Singh & Ajit Singh & Teerath Singh sons of Mastan Singh, R/o Rathpur, Teh. Kalka, Distt. Ambala Present Address : Jagjitpur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1977

Ref. No. Acq/949-A/Roorkee/77-78/5903.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on May 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 28 bigha situated at village Salempur, Roorkee, Distt. Saharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-12-1977  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Satish Chand Pathak son of Shyam Singh Pathak Professor, Jain Degree College Saharanpur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shashi Bala wife of Dr. Sunder Lal Agarwal, resident of Mission Compound, Saharanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd December 1977

Ref. No. Acq/752-A/Saharanpur/77-78/6377.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 19-5-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storied house situated at mission compound, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1978

Ref. No. 863-A/Acq/S. pur/77-78/6809.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Satish Chand son of Mool Chand, Radhey Shyam son of Fakir Chand, Both resident of Nakhasa, Saharanpur and Smt. Prem Devi Wife of Madan Lal, R/o Meerganj, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Sani son of Mahavir Prasad R/o 13/706, Kabari Bazar, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storied house bearing No. 13/706, Kabari Market Distt. Saharanpur, Transferred for an apparent consideration of Rs. 61,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1978

Ref. No. Acq/941-A/Mussoorie/77-78/6810.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on May 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dina Nath S/o Laxman Das, Ram Prakash S/o Gian Chand, Tilak Raj S/o Gian Chand, Vijay Kumar and Anil Kumar sons of Bal Kishan, Siri Ram son of Sita Ram, C/o M/s Gian Chand Dina Nath Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Viri Devi Wife of Surrender Singh Mallik R/o Doon view cottage, North side, Pancho Kanchhi Kutir, Mussoorie.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) facilitating the concealment of any income or any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Half portion of the property known as doon view cottage North side, Mussoorie, Transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-1-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Triveni Devi W/o Ganga Saran D/o Jwala Prasad Agarwal Gher Aasgran, Firozabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi W/o Mohan Lal R/o Chaubeyji Ka Bagh, Firozabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

Kanpur, the 4th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/782/Firozabad/77-78/6806.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Firozabad on May 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land situated at Sukhmulpur, Nijamabad, Chaubeyji Ka Bagh, Firozabad (Agra), Transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Ram Kumar S/o Ishwari Prasad, Girver Kishan S/o Munari Lal, Smt. Madhu Garg W/o Kanti Prasad R/o Dan Kaur, Distt. Bulandshahar, Smt. Sumitra Devi W/o Anand Prakash and Smt. Prakashwati W/o Mahendra Prakash R/o Kasba Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 9th January 1978

Ref. No. Acq/1482-A/B. Sahar/77-78/7110.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 12-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Ram Kishan Sharma S/o Chokhey Lal, Rakesh Kumar, Rajesh Kumar, Mukesh Kumar and Dinesh Kumar, all sons of Ram Kishan C/o Vishal Cinema, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property consisting of 50% share in Milan Cinema building and its business, situated at Shikarpur, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,00,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Neni Bai wife of Hot Chand 122/548, Sindhi Colony, Shastri Nagar, Kanpur.  
(Transferor)

(2) Shri Ratan Lal son of Udhoram, 107/170-A, Jawahar Nagar, Kanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 9th January 1978

Ref. No. Acq/750-A/Kanpur/77-78/7111.—Whereas I,  
R. P. BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land and building bearing No. 122/547, Harihar Nath Shastri Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

(1) Shri P. R. Aramadhu,  
S/o Late R. Rajagopalan,  
Superintending Engineer,  
(M.P.) No. 5, 17th 'A' Cross Road and  
10th 'A' Main Road,  
Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. G. N. Ramachandran,  
S/o Late G. R. Narayana Iyengar,  
Professor of Bio Physics,  
Indian Institute of Science and  
residing at No. 5, 17th 'A' cross Road, and  
10th 'A' Main Road,  
Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 18th January 1978

Ref. No. C.R. No. 62/9963/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that premises and property bearing present ML No. 5, 17th 'A' cross Road and 10th 'A' Main Road, Malleswaram Bangalore situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 554/77-78 on 12-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 554/77-78 Dated 12-5-1977]  
All that premises and property bearing ML No. 5, 17th 'A' cross road and 10th 'A' Main Road, Malleswaram, Bangalore.

## Boundaries :

E : 10th 'A' Main Road,

W : House built on old site No. 22,

N : Premises at present bearing ML No. 5/1, 17th 'A' Cross road and

S : House built on old site No. 32.

J. S. RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date . 18-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27. the 13th January 1978

Ref. No. C.R. No. 62/10310/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property old No. 282 and present No. 280/22, V. Main Road, 11th Cross, Road, Wilson Garden, situated at Bangalore-27 (Dn. No. 36).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Doc. No. 555/77-78 on 30-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri G. R. Lakshmana Reddy,  
S/o late M. Rama Reddy,  
2. Smt. K. M. Kamalamma,  
W/o Sri G. R. Lakshmana Reddy,

- (3) Kum. G. L. Shobha,  
(4) Kumar G. L. Chandrashekara Reddy,  
(5) Kumar G. L. Rajashekara Reddy.

} Children of Sri G. R. Lakshmana Reddy, No. 3 to 5 (Minors) and they are rep. by their father and Natural Guardian Sri G. R. Lakshmana Reddy, All are residing at No. 4/1, Bangalore Street cross, Longford Town, Bangalore-27.

(Transferor)

- (2) M/s Thanveer and Co.  
Rep. by its Managing Partner  
Sri M. A. Abdul Rafeeq  
S/o Late Abdul Razach,  
M.B.S. Buildings, M. G. Road,  
Mulbagal, Kolar Dist.

(Transferee)

- (3) 1. Sri A. Ananthiah Bhatt  
1. M/s Hotel Janatha  
2. M/s Shoba Stores  
3. Sri Manjilal  
4. M/s Escorts  
5. Sri H. K. Lakshminarayana, Parimala Stores,  
6. Sri Narasimhaiah, M/s Lido Hyginc dressing,  
7. M/s Mico Employees Association,  
8. Sri J. Devaraj, M/s Uma Photo Studio,  
(1st Floor)  
[person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Regd. Doc. No. 555/77-78 Dated 30-5-77]  
Property bearing old No. 282 and present No. 280/22, V Main Road, 11th Cross Road, Wilson Gardens, Bangalore-27.

*Boundaries :*

E : 11th Cross Road,  
W : Site old No. 281,  
N : V Main Road, and  
S : Plot No. 283

J. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date 13-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA, CAMP : VIJAYAWADA

Kakinada, the 12th January 1978

Ref. No. 5747.—Whereas, I, N. K. Naga Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 44-1-8, situated at Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on 9-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kakaraparti Venkata Sivaramaiah  
S/o Venkateswarlu Chirala,  
Prakasam District.

(Transferor)

(2) 1. Shri Tiru Veethula Suryanarayana S/o  
Bala Kotaiah,  
2. T. Balagangadhara Ravi Kumar  
S/o Suryanarayana  
Railway Station Road, Chirala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule property as per registered document No. 975/77 registered before the SRO, Chirala during the F. N. ended on 15-5-1977.

N. K. NAGA RAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada  
Camp : Vijayawada

Date : 12-1-1978

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA, CAMP : VIJAYAWADA**

Kakinada, the 12th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 573.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-5-27, situated at Bapatla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bapatla on 9-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—456GI/77

- (1) 1. Chadalavada Subrahmanyam, S/o Late Subbarao,  
2. Ch. Sriramachandraprasad,  
3. Ch. Radha,  
4. Ch. Nirmala,  
5. Smt. M. Sitarajagopal, GPA holder Ch. Subrahmanyam, Gokul Bhavan, Seethaphalmandi, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Shri Yellampalli Pitchaiah, S/o Malakondaiah, Nalamvari St., Bapatla-522101. Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 593/77 registered before the Sub-registrar, Bapatla during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGA RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada  
Camp : Vijayawada

Date : 12-1-1978

Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
MARFENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM

Ernakulam, the 3rd January 1978

Ref. L. C. No. 150/77-78.—Whereas I, C. P. A.  
VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immoveable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Sy. No. as per schedule situated at  
Kalathikunnu amsom desom  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Kozhikode on 13-5-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Meerabai, W/o K. Pushparajan,  
Kurunnon Veettil,  
Y. M. C. A. Road, Calicut.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Ravindran,  
5/1280, "Samthriphi", Panchama School Road,  
Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

9 1/8 cents of land with buildings in R. Sy. No. 5-17-758 & 5-17-759 part in Kalathikunnu amsom desom in Kzhikode District.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 3-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. F. L. Raitt,  
No. 10A, Magath Road,  
Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Sri R. P. David,  
"Richelleu", Yercaud, P.O., Salem District,  
Tamilnadu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 5th January 1978

Ref. I. C. No. 162/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at North Wynad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Manantody on 20-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

326 acres 46 cents (132.17 Hectares) of land in Thirunelli Amsom, Desom and village in North Wynad Taluk known as "Bargiri-Estate" at Tholpetti with all improvements therein.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1978

Seal:

## FORM ITNS

(11 of 1922) or the Act, 1961 (43 of 1961) or  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Sri K. P. Chandradasan  
(ii) Smt. Lakshmikutty.  
(iii) Smt. Devi  
(iv) Sri T. V. Gangadharan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 10th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. L. C. No. 163/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 27-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

19 cents of land with buildings known as "Janatha Hostel" in Sy. No. 63/1A & 1B (R. Sy. No. 133) Kariakunnu desom in Calicut Corporation.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Varghese.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. A. Kumaran.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 10th January 1978

Ref. L. C. No. 165/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule, situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 18-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

6½ Cents of land with buildings in Sy. Nos. 1153/8 & 1153/3 of Trichur village in Trichur District.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. T. P. Nafeesa.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Smt. Mariyoo,  
(ii) N. K. Subaida.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 10th January 1978

Ref. L. C. No. 164/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Kallai, Calicut (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 30-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

9½ cents of land with buildings in Kallai, Calicut.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Edward Dassiah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Gangadharan Nair,  
(ii) Sarasamma Nair,  
(iii) Sasikala Vijayan,  
(iv) Satheeshchandran Nair,  
(v) Sureshkumar Nair.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 17th January 1978

Ref. L. C. No. 166/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.  
as per schedule, situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Thiruvattar on 10-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

9 cents 270 sq. links of land with buildings in Anchamada  
village in Trivandrum.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 17-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri Sangappa and Shri Bhimappa; sons of Neelakanthappa Mandrup A.P.M.C. Bijapur.  
(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Mallikarjun Girimallappa Katti, Partner in M/s Jogur Nandi Co., A.P.M.C. Bijapur.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE**

Dharwar, the 25th January 1978

Notice No. 202/77-78/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. CTS No. 1134/45 situated at Bijapur,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bijapur under Doc. No. 440 on 21-5-1977,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property situated at ward No. III bearing CTS No. 1134/45  
at Bijapur.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**D. C. RAJAGOPALAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

Date : 25-1-78

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Edward Gilbert Pinto, Coffcc Planter, Sunam Estate, Sangameshwarpet Post (Dist. Chikmagalur) (Transferor)

(2) 1. Shri Cashmir Pinto S/o Pater Pinto, 2. Smt. Juliana Florina Benedicta Pinto W/o Cashmir Pinto, 3. Shri Richard Eric Victor Pinto, and 4. Shri Ronald Leslie Valarian Pinto, Coffee Planter, Hosagadde Estate, Kattinmane Post; Taluka Narasimharajpura, (Dist. Shimoga). (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property known as Hosagadde Estate, situated at Haravani village, Balchonnur Hobli bearing survey Nos. 109, 154, 184, 125 and 136 total area 33 acres 24 gunthas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 25-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
13—456GI/77

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th January 1978

Ref. No. CHD/40/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 166, Sector 20-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Venu Kumari, through Shri Krishan Kumar Sagar s/o Shri Ganga Bishan, R/o 17, Kanpur Road, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Vasudova, R/o House No. 166, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE:

1½ Storey house No. 166, Sector 20-A, Chandigarh and measuring 198.33 sq. yards.

(Property as mentioned in Sale deed registration No. 381 dated 29-6-1977 registered in the office of the Registering Authority, Chandigarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 27-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nota Ram s/o Shri Sewa Ram, R/o 1-D-6,  
NIT, Faridabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Satish Kumar and Shri Sudarshan Kumar R/o H. No. 530, Sector 15-A, Faridabad. Sons of Shri Diwan Chand

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. BGR/10/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bungalow on Plot No. B-6, Block D-NHI, N.I.T. situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property consisting of a Bungalow on Plot No. B-6, situated in Block-D-NHI, NIT, Faridabad. The area of the land is 216 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Ballabgarh at Sr. No. 685 dated 18-5-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nand Singh S/o Shri Sant Ram R/o 13/14,  
W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Kumar Chawla, S/o Shri Moti Ram  
Chawla, 13/14. WEA. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 24th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/269/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of 13/14 situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 24-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of a 2½ storeyed house constructed on a land measuring 276 sq. yds. bearing No. XVI/10597 Plot No. 14, Block 13, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali  
South : Gali  
East : Others property  
West : Gali

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. L. SUD,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 24-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Nand Singh S/o Shri Sant Ram, 13/14, WEA,  
Karol Bagh, New Delhi as Gen. Attorney of Shri  
Iqbal Singh, his son

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar Chawla, S/o Shri Moti Ram  
Chawla, 13/14, WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 24th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/268/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of 13/14 situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-5-1977, for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of a 2½ storied house constructed on a land measuring 276 sq. yds. bearing No. XVI/10597 Plot No. 14, Block 13, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali  
South : Gali  
East : Others property  
West : Gali

A. L. SUD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. J. Gamadia and Others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s Gowani Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay, the January 1978

Ref. No. ARI/2036-11/77.—Whereas, I F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 4/755 of Malabar and Cumballa Hills Divn. situated at junction of B. Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

SCHEDULE as mentioned in the Registered Deed No. 1889/72/Bom<sup>d</sup> and registered on 24-5-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. FERNANDEZ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : January, 1978

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Pukhraj L. Jain.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I  
 BOMBAY**

Bombay, the 18th January 1978

Ref. No. ARI/2034-9/77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 714 and 715 of Malabar and Cumballa of Hill Divn. Peddar Road, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sonarica Co-operative Housing Society Ltd.  
 (Transferee)

(3) Members of the Society.  
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 3188/72/Bom and registered on 9-5-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. FERNANDEZ,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18th January 1978

Seal : ' '

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajamreddy Ramalinga Reddy, Bandi Atmakur  
Villg. Nandyal, Kurnool-Dist.

(Transferor)

(2) Shri Pyreddy Vijaya Bhaskara Reddy, Vudumala-  
puram, Villg. Nandyal-Tq. Kurnool-Dist.

(Transeree)

(3) Manager, Coop. Agricultural Development Branch  
H. No. 25/246 at Sanjeevanagar, Nandyal.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 181/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half in 25/246 situated at Nandyal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on 21-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDEULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half share in the House No. 25/246 situated at Sanjeevanagar at Nandyal, Kurnool-Dist., registered vide Doc. No. 1489/77 in the office of the Sub-Registrar Nandyal.

K. S. VENKATARAMA,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 12-1-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Rajam Reddy Ramalinga Reddy, Bandi Atmakur, Village Nandyal-Tq., Kurnool-Dist.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE**

(2) Shri Pyreddi Sethi Reddy, R/o Vudumalapuram, Village, Nandyal-Tq., Kurnool-Dist.

(Transeree)

(3) Manager, Cooperative Agricultural Development Bank, H. No. 25/246 Sanjeevanganar, Nandyal.

(Person in occupation of the property)

Hyderabad, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. No. 182/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half in 25/246 situated at Sanjeevanagar Nandyal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on 21-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Half share in House No. 25/246 at Sanjeevanagar, Nandyal, Kurnool-Dist., registered vide Document No. 1490/77 in the office of the Sub-Registrar Nandyal.

**K. S. VENKATARAMAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—456 GI/77

Date : 12-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Sher Banu Sajanlal, W/o Janab Jalaluddin Sajanlal Saheb, II. No. 11-6-862/1-D at Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

(2) Shrimati Salcha Sultana Saheba W/o Syed Gulam Mohammed H. No. 11-6-862/1-A at Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 183/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-6-862/1A situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor flat of House No. 11-6-862/1-A at Red Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 1130/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Mohd. Kareemullah, H. No. 13-3-57 at Mustaid-pura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Suraj Construction Co., Represented by partner Sri Harichand, H. No. 10-9-330-A at East Nahru-nagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 12th January 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 184/77-78.—Whereas, I, K. S.

VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 123, 124, 161 situated at Panjagutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 17-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring 600 Sq. Yds. in S. No. 123, 124, and 161 situated at Panjagutta, Khairtabad, Hyderabad, registered vide Document No. 1187/77 registered with the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 185/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 229 situated at Ananthapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 5-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Mekala Balappa, 2. M. Vasudevappa, 3. Sri M. Raghavendra Gowd, 4. M. Krishnaya, 5. Madhusudhan, 6. M. Sudhakar Gowd, S/s of Nagapa, R/o K. K. Agraharam, Ananthapur.

(Transferor)

(2) Shri Kasummi Venkata Chalapathy, S/o Bala Venkatayya, D. No. 11/229 Sainagar, Ananthapur.

(Transferee)

(3) S/Sri Jagamreddy, Contractor, 2. Sri Sambastava Murthy, 3. Kurapati Narayana, 4. G. Mahanand, all residing at Door No. 229/11 Ananthapur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Door No. 229 in present ward No. 11 of Ananthapur Municipality registered vide Document No. 1541/77 registered with the Sub-Registrar Ananthapur.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 186/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 14 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced persons Housing Cooperative Society, Represented by the Present Sh. Moolchand, Pendeighast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Hundaldass Naranandass, H. No. 6-3-1105 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transeree)

(3) S. Kotumal, H. No. 6-3-883/A/2 at Panjagutta, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 433 Sq. Yds. bearing Plot No. 14 forming part of premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad, registered through Doc. No. 1009/77 in the office of the District Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri B. Bhama Reddy, S/o Veera Reddy, R/o Mubarakpur, Village, Via-Sangareddy.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) 1. K. Durga Reddy, S/o Raghava Reddy, 2. K. Shyammamma W/o Kista Reddy, both residing a the service of notice on the respective persons, which

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 187/77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot situated at Ameerpet Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 4-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Open plot admeasuring 738 Sq. Yds. at Ameerpet, Hyderabad registered vide Document No. 1062/77 with the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-1-1978

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) 1. K. S. Yasodamma, W/o Stayanarayanaiah, Merchant at Main Bazaar, Hindupur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. N. Praveen Kumar, Minor by guardian and mother Smt. A. N. Shantakumari, Main Bazaar, Hindupur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 188/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 7-3-250 situated at Hindupur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hindupur on 30-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Half share in H. No. 7-3-250 at Hindupur, registered in Document No. 1184/77 with Sub-Registrar Hindupur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. A. Nagarathnamma, W/o Aytha Venkataramiah, Merchant, Kurnool.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. N. Praveen Kumar, minor by guardian Mother Smt. A. N. Shantakumari, Main Bazar, Hindupur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 189/77-78.—Whereas, I, K. S.

VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-3-250 situated at Hindupur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindupur on 30-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Half share in H. No. 7-3-250 at Hindupur, registered vide Document No. 1185/77 with the Sub-Registrar Hindupur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978

Seal :

## FORM JTNS—

(1) Smt. K. Uma Devi, W/o K. Sitarama Raju, H. No. 8-77 at Golnaka, Alwal, Hyderabad-Dist.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri B. Sampatla Surana S/o Bhaktawarmal Surana Jain, H. No. 506 at Sadar Bazar, Bolaram, Secunderabad.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 190/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/5/4 situated at Alwal, Hyderabad-West. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-West on 9-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 11-5/4, on plots bearing Nos. C-92, and C-93 in S. No. 190 admeasuring 344 Sq. Yds. situated at Lothukunta Alwal, Hyderabad-West registered vide Doc. No. 1058/77 with the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—456 GI/77

Date : 12-1-1978

Seal :

## FORM JTNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 191/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 6-4-478 situated at Krishnanagar Colony, Bholakpur, Coimbatore Taluk and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 5-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kailas Gowri, W/o late Nand Shankar, O Raval H. No. 6-4-478 at Krishnanagar Colony, Secunderabad, (Transferor)
- (2) Smt. Mahalakshmi V. M. Yekambaram, W/o Sri V. Yekambaram H. No. 6-4-478 at Gandhinagar Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 6-4-478 (Plot No. 31 and 32/2) at Krishnanagar Colony Bholakpur, Secunderabad, registered vide Doc No. 676/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

**FORM ITNS**

(1) Sri J. Paramkishen Rao, H. No. 1-1-380/10 Ashoknagar Extension, New Bakaram, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Mohd. Abdul Khader, H. No. 1-8-155/5 at Penderghast Road, Secunderabad.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 192/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Open land in S. No. 110 situated at Bakaram Village, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-5-1977,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Open plot of land in Old S. No. 110 at Bakaram Village and forming part of 9 and 17 Ashoknagar Extension ad-measuring 426 Sq. Yds. Hyderabad, registered vide Doc. No. 1143/77 with the Sub-Registrar Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri J. Paramkisan Rao, H. No. I-I-380/10 at Ashoknagar Extension (New Bakaram) Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Razack, H. No. I-5-388/1 at Zamistanput Market, Mushirabad, Hyderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 193/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land in S. No. 110 situated at Bakaram Village Ashoknagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Open plot of land in Old S. No. 110 at Bakaram Village and forming part of Plots No. 9 and 17, Ashoknagar, Extension admeasuring 600 Sq. Yds. Hyderabad, registered vide Document No. 1144/77 in the Office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Sarwari Begum, W/o late Dr. Mohd. Masechuddin Ahmed, R/o Malakpet, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Shri Iqbal Ahmed, S/o Sri Zainulabedeen, H. No. 5-4-454, at Nampally, Station Road, Hyderabad.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDEULE**

Front portion of House bearing No. 5-4-454 situated at Nampally Station Road, Hyderabad, admeasuring 283 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1237/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Leela Bai, H. No. 15-1-1 at Osmangunj  
Hyderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Hatim Ali, Flat No. 14 in 2nd floor of Madina building Pathergatti, Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC., No. 195/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 15-1-5 situated at Osmangunj, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 15-1-5 situated at Osmangunj, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1149/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s. Hyderabad Displaced Persons Housing Co-operative Society, Represented by President Sri Moolchand, Penderghast Road, Secunderabad.  
(Transferor)

(2) Sri Amaral, H. No 21-1-24 Tolaram Building Rikabgunj, Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 196/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 situated at Bashirbagh-Palace, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 3 admeasuring 438 Sq. Yds. forming part of premises No. 5-9-30/1 at Bashirbagh Palace, Hyderabad registered vide Doc. No. 1005/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978,  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) The Hyderabad Displaced Persons Housing Co-operative Society, Represented by President Sri Moolchand, R/o Penderghast Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sri Ramesh Kumar, H. No. 21-1-65 Rikabgunj, Hyderabad. (Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC No. 197/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Open plot No. 6 admeasuring 334 Sq. Yds. forming part of H. No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1006/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1978,

Seal :

## FORM ITNS

(1) The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Represented by the President Sri Moolchand, at Pendberghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 198/77-78.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sri Gopaldass, Plot No. 3 at Shirdhan, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7 admeasuring 307 Sq. Yds. forming part of premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh Hyderabad registered vide Doc. No. 1007/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—456 GI/77

Date : 16-1-1978.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 199/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Represented by the President Sri Moolchand, at Pendherghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Sobhraj S/o Jagatram, H. No. 21-7-84/1 at Ghansibazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot No. 9 admeasuring 324 Sq. Yds. forming part of H. No. 5-9-301 situated at Bashirbagh, Hyderabad registered vide Doc. No. 1008/77 with the Joint Sub-Regist. Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978.

Seal ;

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 200/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Represented by the President Shri Moolchand, at Pendherghast Road Secunderabad.

(Transfeor)

(2) Sri Sunderdass Jiwatram Lalwani, H. No. 1-2-365/5-1 at Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open Plot No. 4 admeasuring 372 Sq. Yds. forming part of premises H. No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, palucc, Hyderabad registered vide document No. 1010/77 with the Joint Sub?Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri M. D. Khanna, & R. D. Khanna, R/o 270 at Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. R. Rajamma, W/o R. Veeriah, C/o Srikrishna & Co., Glassware merchants, at Nizamashai Road, Hyderabad.

(Transferee)

(3) M/s. Jaihind Transport Co., Prop Chandrakant S/o Shivlal, H. No. 15-1-503/A/20 at Nizamshai Road, Hyderabad.

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 201/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/A/20 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli, on 30-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Shop No 15-1-503/A/20 at Ashok Market, near Siddiamber Bazar Hyderabad, registered vide Doc. No. 382/77 with the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 24th January 1978

Ref. No. 5643/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21-B/1 situated at Bhimanna Mudali Garden, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 453/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Mrs. B. Sarala  
W/o Shri Hiralal &  
2 Mr. Hiralal  
S/o Shri Bowral  
No. 21/B Bhimanna Mudali St.  
Madras-18

(Transferor)

(2) 1. Shri S. V. Narasimha Rao  
(S/o Shri S. V. R. Appa Rao;  
2. Shri D. Srinivas  
S/o Shri D. V. V. Satyanarayana; and  
3. Shri D. V. V. Prasad  
S/o Shri D. V. V. Satyanarayana,  
No. 2 Victoria Crescent Road,  
Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 2 grounds and 1336 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 21-B/1 Bhimanna Mudali Garden Street, Madras-18 (New Door No 1-A, New Colony Madras-18).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-1-1978.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3856/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42, Kubera Ganapathi, situated at Mathiazagan Nagar, Madras-50, Kovil St., (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambattur (Doc. No. 368/77) on 4-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Ezhumalai  
S/o Shri Kuppu Naicker  
No. 42 Kuberaganapathy Kovil St.,  
Mathiazagan Nagar,  
Madras-50.

(Transferor)

(2) The Palghat Credit Corporation  
No. 5 Nana Rao Naidu Street,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 2,152 Sq. ft. (with building) situated at No. 42, Kuberaganapathi Kovil Street, Mathiazagan Nagar, Madras-50.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-78.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. M. S. Kasinathan; and  
 Shri K. M. S. Muthaiyan  
 S/o Shri K. M. Subramania Chettiar,  
 No. 36 Sri Kumbeswarar North St.,  
 Kumbakonam.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. The Bharat Metal Sheet Rolling Mills  
 No. 18 Sri Kumbeswarar North St.,  
 Kumbakonam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 3864/May/77.—Whereas, I, K. Ponnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 193/4; 193/5; 193/6; 193/7; 193/8; and 193/14 Elumichangapalayam, Kumbakonam Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Swamimalai (Doc. No. 359/77 on 12-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2.12 Acres (with buildings) and bearing New Survey Nos. 193/4; 193/5; 193/6; 193/7; 193/8 and 193/14 situated at Elumichangapalayam village, Darasuram Panchayat Limit, Kumbakonam Taluk, Tanjore District (Doc. No. 359/77).

K. PONNAN

Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 9-1-1978.

Seal .

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

(1) Shri Raja Rajagopala Thondaman  
Pudukkottai  
(Represented by Power Agent—  
Shri K. R. Govindarajan,  
Pudukkottai Palace, Tiruchirapalli.

(Transferor)

(2) Chamber of Commerce,  
Pudukkottai  
(Represented by Shri K. S. Mohamed Moideen  
Rowther: Shri Ganesa Pillai and  
Shri K. Paramasigam Pillai).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 9th January 1978

Ref. No. F. 3878/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 2429, Ward No. 5, situated at (Block No. 37) West Main Street, Pudukkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Pudukkottai (Doc No. 685/77) on 3-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 7642 Sq. ft. (with building) and bearing T.S. No. 2429, Municipal Ward No. 5 Block No. 37 (West Main Street) Pudukkottai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mohamed Sahib  
Alangudi Taluk  
Alangudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. K. A. Sulaiqa Beevi  
W/o Shri N. K. Abdul Majeed,  
Majid Colony  
Adappan Vayal First St.,  
Pudukottai.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3879/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Majid Colony, situated at Adappa Vayal, Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Pudukottai (Doc. No. 848/77) on 30-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land (About 17,710 Sq. ft.) and building bearing Nos. 124, 125, 126, 127 and 128 (Majid Colony) situated at Adappan Vayal First Street, Pudukottai. (Doc. No. 848/77).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—456 GI/77

Date 3-1-1978.

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Kalyanam Iyer  
S/o Shri R. Subramania Iyer  
Dabeer New Street, Kumbakonam,  
(Now at Bombay).

(Transferor)

(2) Smt. G. Suria Ammal  
No. 34 Second Main Road,  
Sri Nagar Colony,  
Kumbakonam.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th January 1978

Ref. No. F. 3880/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34, Second Main Road, situated at Srinagar Colony, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 699/77 on 16-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 34, Second Main Road, Sri Nagar Colony, Kumbakonam.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri T. K. Ramamurthy  
S/o Shri Krishnaswami  
Neiveli  
South Arcot.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Shri Manikanda Reddiar  
S/o Shri Subramania Reddiar  
Asanellikupam  
Aarakonam Taluk  
North Arcot.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3881/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 2376/2, situated at Cilar Road, Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanjavur (Doc. No. 1226/77) on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 14375 Sq. ft. (with building) and bearing T. S. No. 2376/2 Vilar Road, Thanjavur.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-1-78.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3883/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 and 16-A, situated at South Madavalagam Street, Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur West (Doc No. 1611/77) on 21-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Shri Ammaiappa Gounder S/o Shri Vaiyapuri Gounder Kalipalayam, Puliur village, Karur Taluk; and
- 2. Shri A. Natarajan, S/o Shri Ammaiappa Gounder Vadakkupalayam, Melapalayam village, Karur Taluk.

(Transferor)

- (2) Shri P. V. Raju Pillai S/o Shri Veerabhadra Pillai No. 9/56 Square Market, Mettur Dam, Mettur Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building situated at No. 16 and 16-A, South Madavalagam Street, Karur.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-78.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

**FORM ITNS**

(1) Smt. Kunjammal  
W/o late K. S. Mariappa Mudaliar,  
No. 159 Gandhipuram 7th St.,  
Coimbatore.

(Transferor).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Smt. S. Usharani  
W/o Shri G. Sukumar  
No. 21 Tatabad Street No. 2,  
Coimbatore.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 3rd January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 4292/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 Tatabad Third St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 342/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 7 Cents & 404 Sq. ft. (with building) situated at Plot No. 166 (Northern portion), T.S. No. 11/417; G.S. Nos. 206 & 208 Sanganur village, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-1-1978.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Kunjammal  
No. 159 Gandhipuram 7th St.,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. S. Nirmala Devi  
W/o Shri G. Shanmugasundram  
No. 21 Tatabad Street No. 2,  
Colmbatore.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 4292/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37A, Tatabad Third St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 343/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 7 Cents & 263 Sq. ft. (with building) situated at Plot No. 166 (Southern portion) T.S. No. 11/417; G.S. No. 206 & 208 Sanganur village, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-1-78.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri H. Mohamed Hussain and  
2. Shri H. Abdul Kalam  
No. 16/35 Verivada Chettiar Layout,  
Mettupalayam Road, R.S. Puram, Coimbatore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. 4348/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 16/35, situated at Verivadu Chettiar Layout, Mettupalayam Road, R.S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1313/77) on 22-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri P. A. Bawa,  
C/o Bawa Textiles,  
22/40 U.K. Lanc  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 6800 Sq. ft. (with building) situated at Site No. 35 Verivada Chettiar Layout, Mettupalayam Road, Coimbatore. (Door No. 16/35; New T.S. No. 8/1363/1A-Part).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-1-78

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. V. Ponnammal,  
W/o R. M. Veerabhadra Thevar,  
No. 56, Athimoolam Agraaram,  
Madurai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durairaju &  
Smt. Gomathi Ammal,  
No. 12, North Chithirai Street,  
Madurai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

Ref. No. 30/MAY/1977.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN  
being the competent authority under section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a  
fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. 36 (T.S. No. 1135), situated at North Veli Street  
Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 468/77) on May 1977  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer and/  
or

## THE SCHEDULE

Land measuring 2,178 sq. ft. with building thereon at door  
No. 36 (T.S. No. 1135), North Veli Street, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

A. T. GOVINDAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 17-1-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Shri Godwin Gnanaraj, power of attorney agent of Mrs. Phyllis Sugirtha Sellaby Lysander,  
 2. Mrs. Ivy Joseph,  
 3. Shri A. Godwin Onanaraj,  
 4. Mrs. Evelyn Vasanthakumari,  
 Anbiah Kesari Street, Nagercoil,  
 Kanyakumari district.

(Transferor)

(2) Sri Kanyakumari Gurukula Ashram  
 3.48, North Street, Kanyakumari.

(Transferee)

**ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX**

Madras-6, the 17th January 1978

Ref. No. 43/MAY/1977.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 511/2, 512/2, 513/1, 513/2, 514/1 and 514/3, situated at Karungulam village, Tirunelveli District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panagudi (Doc No. 442/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 32 acres and 1 cent in survey Nos. 511/2 (7.74 acres), 512/2 (5.60 acres), 513/1 (5.03 acres), 513/2 (6.83 acres), 514/1 (6.57 acres), and 514/3 (0.24 acres), at Karungulam village, Kanyakumari district (with 2 wells and one 5 HP electric motor pumpset).

A. T. GOVINDAN  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 17-1-1978  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

